राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

थाई हाई स्लिट ड्रेस में श्वेता...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

मंगलवार, 17 जनवरी 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 10 अंक: 28 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

राम मंदिर पर आतंकी हमले की साजिश

खुफिया एजेंसियों ने जारी किया अलर्ट

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर को लेकर बड़ी खबर आ रही है। दरअसल, राम मंदिर पर आतंकी हमले को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। यह अलर्ट खुफिया एजेंसियों की ओर से जारी किया गया है। दावा किया जा रहा है कि आतंकवादी इसको लेकर लगातार प्लान बना रहे हैं। वह सुसाइड बॉम्बर से हमले करा सकते हैं। आतंकी हमले का प्लान जैश–ए–मोहम्मद की ओर से बनाया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि नेपाल के रास्ते जैश–ए–मोहम्मद भारत में सुसाइड स्क्वाड भेज सकता है। हालांकि, इसके बाद से ही अब सुरक्षा के चाक–चौबंद व्यवस्था कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस भी अलर्ट मोड पर जा चुकी है। साधु संत से लेकर लोकल ऑथरिटी भी इस बात को

लेकर चिंतित रहते हैं। हालांकि सुरक्षा के यहां पर पुख्ता इंतजाम हैं। जो सुरक्षा राम जन्मभूमि स्थल की पहले से थी उससे और अधिक सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अयोध्या ही नहीं, गणतंत्र दिवस को देखते हुए देश भर में कई शहरों में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। दिल्ली से लेकर पंजाब तक लगातार सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है। पाकिस्तान का आईएसआईएस इसको लेकर डॉन दाऊद इब्राहिम के गुर्गों की भी मदद ले रहा है। 26 जनवरी के मौके पर दिल्ली और पंजाब में ब्लास्ट की रणनीति बनाई जा रही है। लेकिन हमारे खुफिया एजेंसी लगातार अलर्ट मोड पर है। गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जम्मू–कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सैनिकों की गश्त और तैनाती बढ़ा दी गई है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ की कश्मीर फ्रंटियर के पुलिस महानिरीक्षक अशोक यादव ने कहा, "आतंकवादी संगठन हमेशा हिंसा करने की कोशिश करते हैं, लेकिन जवान सीमा पर सतर्क रहते हैं। हमारा प्रयास आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करना है। इस तरह के प्रयास सीमा पार से होते हैं, लेकिन हम उन्हें बलपूर्वक रोकते हैं।"

आरवीएम को लेकर ईवीएम की तरह क्यों गढ़ी जा रही है थ्योरी? कांग्रेस सहित 16 विपक्षी दलों का क्यो है विरोध

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई)

प्रवासी मतदाताओं के लिए रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (आरवीएम) प्रोटोटाइप के कामकाज को सोमवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय और राज्य दोनों राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के सामने प्रदर्शित करेगा। ईसीआई ने स्वयं आरवीएम के कामकाज को देखने के लिए आठ राष्ट्रीय और 57 राज्य दलों को आमंत्रित किया है। हालाँकि, अधिकांश विपक्षी दलों ने आरवीएम पर चुनाव आयोग के प्रस्ताव का विरोध करने का फैसला किया है। दिल्ली में कांग्रेस, जद (यू), भाकपा, माकपा, राजद और झामुमो सहित अन्य नेताओं की एक बैठक के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह अधूरा है और ठोस नहीं है। रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन: 29 दिसंबर को, चुनाव आयोग ने कहा कि उसने मतदाता भागीदारी बढ़ाने के लिए घरेलू प्रवासी मतदाताओं के लिए एक रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का एक प्रोटोटाइप विकसित किया है। चुनाव आयोग (ईसी) ने मतदान के लिए घर वापस आने वाले घरेलू प्रवासियों के सामने आने वाली समस्याओं को रेखांकित करते हुए कहा कि उसने दूरस्थ मतदान केंद्र विकसित किए हैं। ईसी ने एक बयान में कहा कि आम चुनाव 2019 में मतदाता मतदान 67.4: था और भारत का चुनाव आयोग 30 करोड़ से अधिक मतदाताओं के अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करने और विभिन्न राज्यों ध केंद्र शासित प्रदेशों में अलग–अलग मतदाताओं के मतदान के मुद्दे के बारे में चिंतित है।

क्या है राजनीतिक दलों के नेताओं की आपत्तियां

दिग्विजय सिंह ने कहा कि आरवीएम के प्रस्ताव में भारी विसंगतियां हैं। उनमें से एक प्रवासी मजदूरों की ष्अस्पष्टष परिभाषा है। राज्यों में प्रवासी श्रमिकों की आवाजाही पर डेटा की कमी के मुद्दे को भी कुछ राजनीतिक दलों ने उठाया है। उन्होंने कहा कि राज्य में मतदान करने वाले अनिवासियों को अपने गृह राज्य से बूथ एजेंटों, चुनाव एजेंटों आदि तक पहुंचने की संभावना नहीं है।

दिल्ली मेयर चुनाव: फिर दिखेगा AAP vs BJP

24 जनवरी को होगा मेयर का चुनाव, एलजी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली में एक लेकर सदन की बैठक बुलाई सकता है। बार फिर से आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिलेगी। दरअसल, मेयर चुनाव को लेकर नई तारीखों का ऐलान हो गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने एमसीडी के मेयर चुनाव के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। उपराज्यपाल की ओर से जारी आदेश के मुताबिक 24 जनवरी को सदन की बैठक बुलाई गई है। साथ ही साथ सदस्यों का शपथ ग्रहण होगा और नए मेयर तथा डिप्टी मेयर का चुनाव भी कराया जाएगा। हालांकि, 6 जनवरी को भी इसे

गई थी। लेकिन सदन के भीतर आम आदमी पार्टी और भाजपा के पार्षदों के बीच जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। स्थिति हाथापाई तक की भी आ गई। ऐसे में माना जा रहा है कि अब दिल्ली में मेयर का चुनाव हो

इस बार दिल्ली नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। पिछले 15 सालों से दिल्ली नगर निगम पर भाजपा का कब्जा था। हालांकि, इस बार भाजपा दूसरे नंबर पर है। 6 जनवरी को हंगामे की वजह से ही मेयर का चुनाव नहीं हो पाया था। इसके बाद आरोप–प्रत्यारोप की राजनीति शुरू हो गई थी। भाजपा और आम आदमी पार्टी एक दूसरे पर हमलावर थी। इन सबके बीच अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के उपराज्यपाल को मेयर चुनाव कराने के लिए 4 तारीख को 18, 20, 21 और 24 जनवरी का प्रस्ताव भेजा था। इसी के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल ने 24 जनवरी को मेयर का चुनाव कराने के लिए मंजूरी दी है।

उपराज्यपाल स्वतंत्र निर्णय नहीं ले सकते: केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने दिल्ली सरकार के कामकाज में कथित हस्तक्षेप के विरोध में सोमवार को उपराज्यपाल कार्यालय तक मार्च निकाला। दिल्ली विधानसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित किए जाने के बाद मार्च शुरू हुआ। केजरीवाल ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप विधायकों को उपराज्यपाल कार्यालय तक मार्च करना पड़ रहा है। मुझे उम्मीद है कि उपराज्यपाल अपनी गलती पर गौर करेंगे और शिक्षकों को फिनलैंड में प्रशिक्षण की अनुमति देंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना स्वतंत्र निर्णय नहीं ले सकते लेकिन वह ऐसा कर रहे हैं।

जोशीमठ संकट पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार, कहा: याचिकाकर्ता अपनी बात एचसी में रखें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी चुनौती का सामना कर रहा उत्तराखंड के जोशीमठ संकट को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने के लिए हस्तक्षेप की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को उत्तराखंड हाई कोर्ट जाने के लिए कहा है।ेने याचिकाकर्ता से कहा कि वह अपनी बात को हाई कोर्ट में रखें। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे बी पर्दीवाला की पीठ ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई से इनकार किया है। दरअसल, बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब जैसे प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों और अंतरराष्ट्रीय स्कीइंग गंतव्य औली का प्रवेश द्वार जोशीमठ भूधंसाव की एक

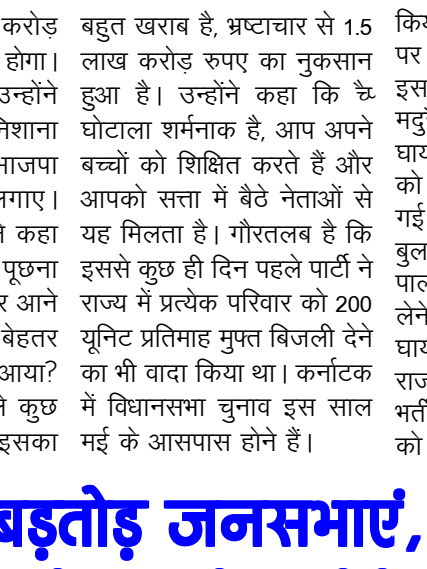

है। शीर्ष अदालत ने 10 जनवरी को यह कहते हुए याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था कि स्थिति से निपटने के लिए लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार है और सभी महत्वपूर्ण मामले कोर्ट में नहीं आने चाहिए। हालांकि, कोर्ट ने सरस्वती की याचिका को 16 जनवरी को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था। सीजेआई ने कहा था कि हर महत्वपूर्ण चीज हमारे पास आने की जरूरत नहीं है। इसे देखने के लिए लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित संस्थाएं हैं। हम इसे 16 जनवरी को सूचीबद्ध करेंगे। वहीं, याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि यह घटना बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण के कारण हुई है और उत्तराखंड के लोगों को तत्काल वित्तीय सहायता और मुआवजे की जरुरत है। याचिका में इस चुनौतीपूर्ण समय में जोशीमठ के निवासियों को सक्रिय रूप से समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को निर्देश देने की भी मांग की गई है। संत की याचिका में कहा गया है कि मानव जीवन और उनके पारिस्थितिकी तंत्र की कीमत पर किसी भी विकास की आवश्यकता नहीं है और अगर ऐसा कुछ भी होता है तो यह राज्य और केंद्र सरकार का कर्तव्य है कि इसे तुरंत युद्ध स्तर पर रोका जाए।

जमीन कब्जाने और दबंगई करने वालों को कड़ा कानूनी सबक सिखाया जाएगा : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और हर समस्या आदित्यनाथ ने सोमवार को आगाह किया कि जमीन पर कब्जा करने और दबंगई करने वालों को कड़ा कानूनी सबक सिखाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को यहां जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं और जमीन कब्जाने की कुछ शिकायतों पर

उन्होंने कहा, "सरकार हर गरीब के साथ खड़ी है, जमीन पर कब्जा करने और दबंगई करने वालों को करारा कानूनी सबक सिखाया जाएगा।" उन्होंने आश्वस्त किया कि किसी के साथ

का जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण समाधान होगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, गोरखपुर के जनता दर्शन में कई फरियादी गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। योगी ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सोमवार को यहां अनुष्ठान मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में रुद्राभिषेक भी किया।

कर्नाटक में प्रियंका का बड़ा ऐलान, सत्ता में आने पर गृहणियों को प्रतिमाह दो हजार रुपये देगी कांग्रेस, भाजपा पर भी निशाना

बेंगलुरु। कर्नाटक में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस में जबरदस्त उत्साह है। कांग्रेस कर्नाटक में महिला वोटरों को साधने की कोशिश में जुट गई है। इस कड़ी में प्रियंका गांधी लगातार कांग्रेस के लिए मेहनत करती हुई दिखाई दे रही हैं। आज प्रियंका गांधी बेंगलुरु पहुंची थीं जहां उन्होंने कर्नाटक चुनाव से पहले बड़ा ऐलान कर दिया। प्रियंका गांधी ने कहा कि कर्नाटक में सत्ता आने पर कांग्रेस प्रत्येक घर की एक ग्रहणी को 2000 रुपये प्रति माह नगद देगी।

इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधा।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) द्वारा पैलेस ग्राउंड्स में आयोजित 'ना नायाकी' कार्यक्रम के दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की महासचिव ने कर्नाटक की महिलाओं से यह वादा किया। केपीसीसी के मुताबिक, 'गृह लक्ष्मी' योजना से 1.5 करोड़ गृहणियों को लाभ होगा। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने भाजपा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। अपने बयान में प्रियंका ने कहा कि मैं आपसे एक सवाल पूछना चाहती हूं, भाजपा सरकार आने के बाद आपका जीवन बेहतर हुआ? क्या कोई बदलाव आया? वोट देने से पहले पिछले कुछ सालों को देखिए और इसका मूल्यांकन कीजिए। कांग्रेस महासचिव ने आगे कहा कि मुझे पता चला कि कर्नाटक में स्थिति बहुत खराब है, भ्रष्टाचार से 1.5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि चै घोटाला शर्मनाक है, आप अपने बच्चों को शिक्षित करते हैं और आपको सत्ता में बैठे नेताओं से यह मिलता है। गौरतलब है कि इससे कुछ ही दिन पहले पार्टी ने राज्य में प्रत्येक परिवार को 200 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली देने का भी वादा किया था। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव इस साल मई के आसपास होने हैं।

तमिलनाडु में जल्लीकट्टू खेल के दौरान एक व्यक्ति की मौत, कई घायल

चेन्नई। जल्लीकट्टू तमिलनाडु के ग्रामीण इलाकों में आयोजित किया जाता। यह हर साल पोंगल पर आयोजित किया जाता है। इस खेल के दौरान रविवार को मदुरै में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, बुल टैमर अरविंद राज मदुरै के पालामेडु में जल्लीकट्टू में भाग लेने के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें मदुरै के राजाजी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सोमवार को उनकी मौत हो गई।

राजस्थान चुनाव से पहले सचिन पायलट की ताबड़तोड़ जनसभाएं, जाट गुर्जर समीकरणों को साधने की कोशिश कहीं बढ़ा न दे गहलोत खेमे की बैचेनी

जयपुर। राजस्थान में इस साल होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों से पहले पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट राज्य के मारवाड़ क्षेत्र में शक्ति प्रदर्शन करेंगे। कांग्रेस आलाकमान को एक स्पष्ट संदेश भेजने के इच्छुक टोंक विधायक पायलट इस सप्ताह राजस्थान के नागौर, हनुमानगढ़, झुंझुनू, पाली और राज्य की राजधानी जयपुर में विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात करते हुए किसान सम्मेलन करेंगे। ऐसा माना जाता है कि पायलट खेमा रेगिस्तानी राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर कांग्रेस आलाकमान के फैसले में देरी को लेकर नाखुश है। पायलट शीर्ष नेताओं को यह समझाने की कोशिश कर रहे थे कि अगर पार्टी राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों में

जीत हासिल करना चाहती है, जहां दो दशक से अधिक समय से कांग्रेस लगातार कार्यकाल सुनिश्चित करने में विफल रही है, तो जल्द ही बदलाव लाना होगा। पायलट ने पिछले साल दावा किया था कि वह चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर जल्द फैसला करे. उन्होंने यह भी उल्लेख किया था कि कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक, जो पिछले साल सितंबर में नहीं हुई थी, जल्द होनी चाहिए। हालांकि, ऐसा नहीं होने के बाद, मुख्यमंत्री की कमान संभालने के इच्छुक पायलट ने आगे बढ़कर घोषणा की कि वह अपने राजनीतिक भविष्य के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाले इस चुनावी वर्ष में जनसभाओं के माध्यम से लोगों तक पहुंचेंगे।

जाटलैंड पर सचिन पायलट की नजर

सचिन पायलट अपनी जनसभाओं की शुरुआत नागौर से कर रहे हैं। नागौर के परबतसर में आज पहली जनसभा हुई। ये इलाका जाट राजनीति का केंद्र माना जाता है। इसके बाद में शेखावटी के झुंझनूं के साथ–साथ हुमानगढ़ के साथ पाली और जयपुर में सभाएं होगी। ये इलाके मोटे तौर पर जाटलैंड के तौर पर पहचान रखते हैं। ऐसे में सचिन पालयट की जाट और गुर्जुर समीकरणों की नई रणनीति भी सामने आ रही है।

आजादी की लड़ाई में सभी वर्गों की अहम भूमिका: रितेश पांडेय

खिचड़ी भोज पर हजारों निराश्रितों को सांसद ने वितरित किया कंबल

अयोध्या (आरएनएस)। भारत एक सेकुलर देश है जहां कई ध र्म और जातियों के लोग निवास करते हैं । आजादी की लड़ाई में सभी वर्गों की अहम भूमिका रही । आज इसी सर्व समाज के बल पर भारत दुनिया में अपना अलग पहचान बनाने जा रहा है । उक्त विचार सांसद रितेश पांडेय ने अपने अंबेडकरनगर संसदीय क्षेत्र अंतर्गत गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के मैहर कबीरपुर गांव में मकर संक्रांति और खिचड़ी भोज के अवसर पर हजारों निराश्रित को कंबल वितरण के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किया । इस विशाल समारोह का आयोजन अपना दल के प्रांतीय नेता प्रमोद सिंह द्वारा किया गया । इस दौरान क्षेत्र के दर्जनों विशिष्ट बुजुर्ग सेवानिवृत्त कर्मचारियों अधिकारियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया । समारोह की अध्यक्षता पूर्व ब्लाक प्रमुख भीटी शिव प्रसाद यादव व संचालन श्याम प्रकाश सिंह ने किया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहित अतिथियों का स्वागत प्रमोद सिंह के साथ आकाश सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह, सोनू सिंह, सुनील प्रधान, अविनाश सिंह, विक्रम सिंह, मनोज कुमार प्रधान, धर्मेंद्र कुमार, देवी प्रसाद मौर्या, राजेश तिवारी, श्रवण कुमार, रामप्यारे, हरीनाथ राव, अभिषेक, जोगेंद्र सिंह, संजीत सिंह, डिप्टी तिवारी, राम बक्स वर्मा, अशोक सिंह, दिनेश प्रधान, रामपाल निषाद द्वारा किया गया । इस दौरान उपस्थित क्षेत्र के हजारों महिला पुरुषों को विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य आत्रेय सिंह, पवन मिश्रा, अनुभव सिंह, प्रशांत सिंह, कन्हैयालाल मास्टर, राम मन मिश्रा, शेर बहादुर शेर, राजकुमार वर्मा, सोनू सिंह, राम अकबाल सिंह, दिलीप सिंह सहित दर्जनों वक्ताओं ने मौजूद जनता को संबोधित किया । वही मुख्य अतिथि रहे सांसद भारी भीड़ और हुए स्वागत से गदगद होते हुए क्षेत्र में विकास के लिए 200 मीटर इंटरलॉकिंग की घोषणा भी कर दिया । साथ ही साथ अपने राजनैतिक भविष्य को तलाशने में भी नहीं चूके । मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बिजली पानी आदि विकास की जो भी योजनाएं हो रही है वह आपके ही पैसे द्वारा सरकार कर रही है । उन्होंने विशेष रूप से अपने कार्यों को बताते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ा जाएगा । आयोजक प्रमोद सिंह ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए जो कुछ भी करना पड़ेगा वह मैं करूंगा और भविष्य में निराश्रित गरीब और मजदूर लोगों की लड़ाईयों को हमेशा लड़ता रहूंगा । उन्होंने कहा ऐसे सराहनीय कार्य क्षेत्र में होने चाहिए जिससे आम जनता को लाभ मिलता रहे जिस तरह से लगातार ठंड बढ़ रही है और गरीबों के पास पैसे नहीं होते हैं कंबल लेने के लिए इस तरह के सराहनीय कार्य से गरीबों को बहुत लाभ पहुंचेगा ।इस दौरान अनिल गिरी, राकेश सिंह, रामदीन, नानका, सुरेंद्र सिंह, राकेश सिंह टिकरी, शिवपूजन, सूबेदार सिंह, राधेश्याम यादव, सूर्यभान सिंह, रामदेव सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे ।

डिम्पल यादव के जन्मदिन पर रामनगरी में हुआ यज्ञ-हवन

–गरीबों असहायों दीन दुखियों को बाटा गया कंबल, हुआ विशाल भंड़ारा

अयोध्या। यूपी के पूर्व सीएम व समाजवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव का 45वां जन्मदिन था। इस मौके पर रामनगरी में यज्ञ हवन पूजन हुआ। दीन दुखियों गरीबों की सेवा हुई। रामनगरी के सिद्धपीठ श्री करतलिया बाबा आश्रम में वैदिक आचार्यों द्वारा विधिवत यज्ञ हवन किया गया जिसमें उनके दीघार्यु होने के लिए साधु संतो ने आहुतियां डाली। कार्यक्रम के संयोजक करतलिया बाबा आश्रम के युवा महंत बालयोगी रामदास के अध यक्षता में हवन पूजन व मां सरयू का भव्य अभिषेक किया गया। कार्यक्रम में सौकड़ों लोगो को कंबल वितरण किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक करतलिया आश्रम के युवा महंत बालयोगी रामदास कहते है कि आमजन गरीबों असहायों दीन दुखियों की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सभी धर्मों का सम्मान करती है। हमारे नेता अखिलेश यादव किसान नौजवान के लिए दिन रात सोचते हैं। महंत रामदास जी दावे के साथ कहते है कि साधु संतो का सम्मान हमेशा सपा ने किया है। अखिलेश यादव ने अयोध्या के विकास की जो रेखा खीचीं है योगी आदित्यनाथ उसे कभी छू भी नहीं पायेंगे। भाजपा सरकार सिर्फ लोगों को आपस में लड़ाने का काम करती है। आज सांसद के 45वें जन्मदिन पर संत धर्माचार्य यज्ञ कुंड में आहुतियां डालकर दीर्घायु का आशीर्वाद दिये। महंत रामदास ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के हर फैसलों में हमेशा उनके साथ खड़ी रहने वाली डिंपल यादव ने सपा को मजबूती देने के लिए काफी काम किया है। महंत बालयोगी रामदास ने कहा कि डिंपल यादव जी प्रदेश ही नहीं देश भर की महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत की तरह हैं राजनीति में बिना शोर–शराबा किए महिलाओं के मुद्दों को किस तरह राजनीति के केंद्र में रखा जाए यह अगर सीखना है तो डिंपल यादव जी से सीखें। शिक्षित महिलाओं के मुद्दों को राजनीति में प्रमुखता से जगह दिलाने के लिए प्रदेश उन का आभारी रहेगा। पिछली सरकार में जहां वीमेन हेल्पलाइन डायल 100 जैसी योजनाओं को मूर्त रुप देने और दृढ़ता से लागू करवाने के पीछे उनकी संकल्प शक्ति और प्रतिबद्धता को हम देख सकते हैं। वहीं एसिड अटैक सर्वाइवर लड़कियों को सहायता राशि देने का मामला हो या विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल कर रही लड़कियों को रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार देना हो इन सब के पीछे उनका अहम रोल रहा है।

हिन्दू समाज में 'समरसता' संघ की प्राथमिकता: सुधांशु

अयोध्या। भरत नगर (भदरसा) में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिला प्रचारक सुधांशु ने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व सामाजिक समरसता का पर्व है। हमारी परंपरा सभी को साथ में लेकर चलने की है। "सब समाज को लिए साथ में आगे है बढ़ते जाना" यह भाव हम सभी के मन में होना चाहिए। हम सभी को नर में नारायण और नारी में नारायणी के स्वरूप का दर्शन करना चाहिए। हम सभी मां भारती की संतति है। हम सभी के लिए राष्ट्र सबसे पहले हैं आज जिस प्रकार से समाज में विभिन्न राष्ट्र विरोधी शक्तियां समाज को विखंडित करने में लगी हुई हैं, हमारी भूमिका और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम, भगवान श्रीकृष्ण हम सब के आदर्श हैं। सोहावल में जिला सेवा प्रमुख पुष्कर दत्त तिवारी ने कहा हम सभी उनके आराधक हैं। भगवान की आराधना के साथ–साथ श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर राष्ट्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है, उन्होंने कान्वेंट शिक्षा पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि कान्वेंट शब्द का शाब्दिक अर्थ अपने आप में भारतीय संस्कृ त के विरुद्ध है स कान्वेंट पद्धति के माध्यम से ईसाई मिशनरियों द्वारा धर्मांतरण को बढ़ावा देने का कार्य किया जाता है। उन्होंने लव जेहाद पर आगाह करते हुए कहा कि आज बेटियों को शिक्षित और जागरूक करने की आवश्यकता है।मकर संक्रांति पर्व सामाजिक समरसता का द्योतक है स यह पर्व मनुष्य के जीवन में सुख समृद्धि एवं उल्लास भरता है स इस पर्व को तिला संक्रांति के नाम से भी मनाया जाता है.उन्होंने कहा की अंग्रेजी तिथि के अनुसार हर वर्ष को यह पर्व मनाया जाता है।

मकर संक्राति का विशेष महत्व है स प्रकृति में इस दिन परिवर्तन प्रारंभ होता है स इस दिन से दिन तिल–तिल कर बढ़ना प्रारंभ होता है स संक्रांति का अर्थ है स सम्यक दिशा में की गई क्रांति. समाज जीवन में परिवर्तन लाने के लिए अनेक दिशा में क्रांतियां हुईं। भगवान श्रीकृष्ण, श्रीराम, शिवाजी महाराज, चाणक्य आदि द्वारा की गई क्रांतियां, सम्यक क्रांतियां हैं स इसी प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भी समाज जीवन में परिवर्तन लाने हेतु विभिन्न कार्य अपने स्थापना वर्ष से किए जा रहे हैं स हमारा विश्वास स्थाई परिवर्तन में है स क्रांतियों के चार चरण विचार, योजना, संगठन एवं लक्ष्य होते हैं स संघ "हिन्दू राष्ट्र" के शास्वत विचार को लेकर चल रहा है स हमारा लक्ष्य राष्ट्र को परमवैभव पर ले जाना है। मया खंड के दीन दयाल शाखा पर जिला कार्यवाह वेद प्रकाश ने कहा संघ का लक्ष्य प्रारंभ से ही तिल–तिल में बंटे हिन्दू समाज को एक करना रहा है.विभिन्न जातियों में बंटे समाज में समरसता स्थापित कर संगठित करने का कार्य संघ परिवार द्वारा किया जा रहा है स 90 वर्ष में संघ ने हिन्दू समाज में आत्मविश्वास पैदा किया है. सत्ता परिवर्तन लक्ष्य न रखकर संघ ने समाज–संगठन एवं समाज–परिवर्तन को प्राथमिक स्थान दिया है स समाज परिवर्तन का कार्य लोगों को अपने घर परिवार से ही आरंभ करना होगा स विभिन्न जातियों में बंटे समाज में सामाजिक समरसता का भाव पैदा करना होगा स राजनीति अपने स्वार्थ हेतु समाज को बांटने का कार्य करती है स संयुक्त परिवार की परम्परा के दर्शन संपूर्ण विश्व में केवल भारत में ही होते हैं। मसौधा खंड के स्वामी विवेकानंद शाखा सरियांवा पर सह संघचालक धर्मेंद्र पाठक ने कहा आधुनिकरण के कारण परिवारों में भी विखण्डन प्रारंभ हो गया है. संस्कारों का ह्रास हो रहा है, समस्याओं का समाधान परिवार से बाहर खोजा जा रहा है स पहले संयुक्त परिवार में ही समाधान हो जाता था. समाज में एकल परिवार की बढ़ती पद्धति ने समस्याओं को बढ़ावा दिया है स इसी कारण संघ द्वारा "कुटुम्ब प्रबोधन" पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. समाज में हिन्दू विचार के विरोध में बढ़ती घटनाएं तथा विगत जनगणना के आंकड़े हिन्दू समाज के लिए चिंता का विषय हैं स हिन्दू समाज की घटती जनसंख्या दर राष्ट्र में असंतुलन पैदा करेगी, आने वाले 30 वर्षों में यहां का मूल समाज अल्पसंख्यक हो सकता है, यह सभी राष्ट्रवादियों के लिए गम्भीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस अवसर पर नगर संघचालक महेश, सह नगर कार्यवाह राजीव मोदनवाल, सह जिला कार्यवाह आनंद जी,सह जिला शारीरिक प्रमुख हिमांशु,नगरध्खंड प्रचारक राज प्रताप,अभिषेक जी,विशाल, विष्णु गुप्ता,संदीप गुप्ता,सुरेंद्र, अरुण तिवारी,अजीत सिंह,दयालु गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अवध विवि की स्नातक सेमेस्टर परीक्षाएं 28 से होगी शुरू

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के तहत स्नातक प्रथम व तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 जनवरी से प्रारम्भ होकर 09 फरवरी तक चलेगी। विश्वविद्यालय परिक्षेत्र से जुड़े सात जिलो में 464 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। इसमें दोनों पालियों में करीब चार लाख परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के दिए गए निर्देशक्रम में परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने परीक्षा कार्यक्रम जारी किया। उन्होंने बताया कि एनइपी–2020 के अन्तर्गत बीए, बीएससी व बीकॉम प्रथम व तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 जनवरी से शुरू होगी। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक व द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 2 बजे से सायं 4 बजे तक चलेगी। इसके लिए कुल 464 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। जिसमें करीब चार लाख परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने बताया कि महाविद्यालयों के प्राचार्यो को परीक्षा कार्यक्रम से सूचित करने के साथ कालेज लागिंग व विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

भाजपा महानगर अध्यक्ष ने टीकाकरण का किया शुभारंभ

अयोध्या। सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए जा रहे विशेष टीकाकरण पखवाड़े के साथ साथ शहरी क्षेत्रों में भी सभी बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा। इसका शुभारंभ भाजपा महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अबू सराय पर बच्चों के टीकाकरण से किया। भिषेक मिश्रा ने सभी से अपील की जिनके बच्चों की उम्र 5 वर्ष तक की है। अपने बच्चों को सभी अनिवार्य वैक्सीन जरूर लगवा लें। टीकाकरण न केवल बच्चों को वैक्सीन ना लगवाने से होने वाली बीमारियों से बचाव करेगा बल्कि पूरे परिवार को भी स्वस्थ्य और सुरक्षित रखेगा। शहरी क्षेत्र में टीकाकरण अभियान के अवसर पर अर्बन नोडल डा वेद प्रकाश त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि जनपद स्तरीय चिकित्सालयों में ओपीडी समय में सप्ताह के सातों दिन टीकाकरण चलेगा और नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर सप्ताह के 6 दिन मंगलवार से तक टीकाकरण चलेगा। यूपीएचसी के चिकित्साधिकारी डा सूरज, अर्बन समन्वयक सुशील कुमार सहित एएनएम, स्टॉफ नर्स,फार्मासिस्ट आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध हालात में ससुराल आये युवक का पेड़ से लटकता मिला शव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र के ग्राम सभा कमासिन बुजुर्ग में चार दिन पूर्व ससुराल आये एक 35 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध ा हालात में गांव के बाहर स्थित पंचायत भवन में आम के पेड़ से प्लास्टिक की रस्सी से सोमवार की शाम लटकता मिला। मृतक दिनेश शर्मा पुत्र रामदरश गोरखपुर जनपद के बरगदवां का निवासी था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की शादी उक्त ग्राम पंचायत के गुंजन शर्मा के यहां हुई थी। उसके आठ व चार साल के दो बच्चे हैं। मौके पर काफी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। थानाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि मौके पर पुलिस पहुंची है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अज्ञात व्यक्ति का गला सड़ा शव मिला

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अनपरा थाना क्षेत्र के ईट भट्ठा व हिंदुस्तान पेट्रोलियम पंप के बीच रोड से करीब 40 मीटर जंगल की तरफ राख के ढेर में हाईवे किनारे झाड़ियों में एक व्यक्ति का अर्धनग्न अवस्था में सड़ा गला शव मिला है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैली है। सोमवार को थाना क्षेत्र के ईट भट्ठा व हिंदुस्तान पेट्रोलियम पंप के बीच रोड से करीब 40 मीटर जंगल की तरफ राख के ढेर में शव मिला। सड़क से करीब 40 मीटर दूर और हाईवे किनारे झाड़ियों में एक शव पड़ा दिखाई दिया।अस्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पुलिस पहुंच गई और भीड़ भी जमा हो गई। पुलिस ने आसपास के लोगों से शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, पर पहचान नहीं हो सकी। मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष है। शव कई दिन पुराना है। शव बुरी तरह से सड़ व गल चुका है। शव अर्धनग्न अवस्था में था। पुलिस ने शव सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पहले सोमवार को सफल दुकान बंदी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

तुलसीपुर,बलरामपुर। डी. घ्म. के आदेश के बाद पहले सोमवार को तुलसीपुर में दुकाने बंद का असर रहा। अधिकतर दुकाने बंद दिखीं। तुलसीपुर नई बाजार. पुरानी बाजार. जरवा रोड पर अधि ा कान्स दुकाने बंद है, वहीं इंटवा चौराहा. बलरामपुर क्लस चौराहे पर बंदी का असर कम दिखा। तहसील रोड तथा देविपाटन में बंदी असफल दिखीं।

खुशहाली का मंत्र सिखाते हैं भारतीय त्योहार : मनोज श्रीवास्तव

मीरजापुर । भारतीय त्योहार सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं। मकर संक्रान्ति का पर्व हमें प्रेम सदभाव और समरसता का संदेश देता हैं। उक्त विचार नगर के बरियाघाट, वासलीगंज एवं संगमोहाल स्थित सांई बाबा मंदिर पर आयोजित खिचड़ी प्रसाद वितरण कार्यक्रम के शुभारम्भ के अवसर पर व्यक्त किया। समाज में खिचड़ी की तरह मिल कर रहने से सारी समस्या का समाध ाान हैं। खिचड़ी स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है तो जातियों की एकता देश और समाज के लिए अत्यंत शुभ और फलदायक है। समाज के कल्याण के लिए एकजुटता सभी समस्याओं का समाधान करने में सहायक होती हैं।

देश के मान, सम्मान स्वाभिमान और समाज की खुशहाली के लिए हमें पर्वों के महत्व को भी समझने की जरूरत है। कार्यक्रम के दौरान लोगों में प्रसाद का वितरण देर दोपहर तक किया गया। इस मौके युवा मोर्चा के पूर्व मंत्री रवि शंकर साहू, विजय प्रजापति, वीरेंद्र मौर्या, पवन यादव, अंकुर श्रीवास्तव, विजय साहू, राहुल गुप्ता, महेंद्र मिश्रा, कुकदीप मिश्रा,ओंकार कशेरा, अश्वनी श्रीवास्तव, श्रीध ार पांडे, संतोष सोनी भोलू साहू, गोविंद साहू, राजेश यादव भरत साहू, बादल जायसवाल, राकेश गुप्ता, डालू साहू, रवि मोदनवाल दिलीप गुप्ता, प्रमोद माली, संतोष सैनी माली सहित बड़ी संख्या में दोनों स्थानीय कार्यकर्ता लोगों की सेवा में सक्रिय रहे।

अवैध कब्जेधारकों को नहीं हटा सका प्रशासन

मराठा कालीन कोतवाली में हैं तमाम लोगों के अवैध कब्जे

चित्रकूट। मराठा कालीन पुरानी कोतवाली भवन से अवैध कब्जे हटाने गई टीम दो दिन की मोहलत देकर लौट आई। दो जेसीबी के साथ नायब तहसीलदार मंगल सिंह टीम लेकर अतिक्रमण हटाने गये थे। अतिक्रमणकारियों ने त्योहार के बहाने कुछ दिनों की मोहलत मांगी। नायब तहसीलदार ने . तक खाली करने को कहा है। चेताया है कि सोमवार से अतिक्रमण हटाया जायेगा।

एक सप्ताह पहले एसडीएम सदर राजबहादुर सिंह पुरानी कोतवाली भवन में अवैध ढंग से कब्जा किये 44 लोगों को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर खाली करने का अल्टीमेटम दिया था। समय पूरा होने के बाद भी अतिक्रमणकारियों ने खाली नहीं किया। नतीजतन नायब तहसीलदार मंगल यादव पुलिस बल के साथ दो जेसीबी लेकर कब्जा हटाने पहुंचे। पुरानी कोतवाली भवन के भीतर जेसीबी के साथ प्रशासनिक अमले को देखकर अतिक्रमणकारियों में हडकम्प मच गया।

आनन–फानन में अतिक्रमणकारी परिवार समेत घरों से बाहर आकर महिला थाने के सामने एकत्र हुए। इन लोगों ने कहा कि शहर में किराये के कमरे नहीं मिल रहे। त्योहार के समय कुछ दिन की मोहलत दी जाये, ताकि वे दूसरी जगह शिफ्ट हो सकें। नायब तहसीलदार मंगल सिंह ने कहा कि एक सप्ताह पहले नोटिस दी गई थी। खोजने की इच्छाशक्ति होती तो जगह मिल गई होती। दो दिन के भीतर दूसरा स्थान खोजकर यहां से खाली कर दें। ऐसा न करने पर सोमवार को प्रशासन बल पूर्वक अवैध कब्जे हटा देगा।

पुरानी कोतवाली भवन के भीतर अवैध कब्जाधारक कोई गरीब परिवार के नहीं हैं। ये अतिक्रमणकारी आर्थिक रुप से सम्पन्न हैं। इनमें ज्यादातर सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। दस से 12 सरकारी शिक्षक और पुलिस कर्मी ही अवैध कब्जे किये हैं। काफी लोग ऐसे हैं जो पहले यहां कोतवाली में सिपाही और दरोगा रहे हैं, उन्होंने अवैध कब्जे कर रहे हैं। मजे की बात ये है कि तमाम कब्जाधारकों के शहर में पक्के घर बने हुए हैं। उन घरों को किराये पर देकर ये यहां अवैध ढंग से रह रहे हैं। बिजली व नल कनेक्शन को आधार बनाकर कानूनी दांव–पेंच से मामले को उलझाने के प्रयास में हैं, ताकि उन्हें कब्जा न छोडना पडे। इस बाबत जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने बताया कि पुरानी कोतवाली भवन को हर हाल में खाली कराया जायेगा। सरकारी भूमि पर अवैध कब्जेध ाारकों को बेदखल करना शासन की मंशा है। दो दिन में अतिक्रमणकारियों ने कब्जे न हटाये तो उन्हें बल पूर्वक हटाया जायेगा। कोई भी सरकारी जमीन में अवैध कब्जा नहीं कर सकेगा।

भाजपा प्रचारकों की साइकिल यात्रा का किया गया स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। भाजपा संगठन के प्रचार प्रसार पर निकले प्रदेश के प्रचारक कार्यकर्ता अरविंद सिंह व रणविजय सिंह के बलरामपुर आगमन पर भाजपा जिलाध यक्ष प्रदीप सिंह द्वारा स्वागत किया गया।

■ अटल भवन भाजपा कार्यालय पर दोनों प्रचारकों का जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने अगंवत्र भेटकर किया अभिन्दन

एक जनवरी 2022 को तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने संतकबीर के निवासी रणविजय सिंह व अरविन्द सिंह की यात्रा को हरी झंडी दिखायी थी। रणविजय सिंह ने कहाकि यात्रा पर निकलने की प्रेरणा भाजपा के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र नाथ पान्डेय से मिली थी। वह रोज 50 किलोमीटर का सफर तय करते है अब तक दोनों कार्यकर्ता द्वारा साइकिल से 44 जिलो की यात्रा लगभग 13 हजार 50 किलीमीटर पूरी कर चुके है, उनका लक्ष्य प्रदेश के हर जिले में साईकिल यात्रा के जरिए पार्टी की नीतियों का प्रचार प्रसार बलरामपुर से श्रावस्ती गये। केन्द्र की मोदी सरकार व प्रेदश की योगी सरकार के अब तक के जनहित के कार्यों के पत्रक का भी वह वितरण कर रहे है। उक्त अवसर पर जिला मंत्री अवध ोश त्रिपाठी तरुण, जिला कार्यसमिति सदस्य अंशुमान शुक्ला व अन्य कार्यकर्ता मौजद रहे।

उडैयाडीह पंचायत भवन में मनाया गया ब्लाक प्रमुख सुशील सिंह का जन्मदिन

प्रतापगढ़। जिले के विकास खंड बाबा बेलखरनाथ धाम क्षेत्र अंतर्गत उडैयाडीह बाजार में स्थित पंचायत भवन में ब्लाक प्रमुख बेलखरनाथ सुशील कुमार सिंह के जन्मदिन पर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राजकुमार सिंह,आसपुर देवसरा प्रमुख कमलाकांत यादव,इष्ट मित्रजनों ने बड़े धूमधाम से दीप प्रज्ज्वलित कर केक काट कर जन्म दिन मनाया गया।पट्टी क्षेत्र के लालगंज बाजार के समाजसेवी हरीश जायसवाल उर्फ पन्ने जायसवाल ने केक काटकर प्रमुख का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। जन्मदिन के इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने उन्हें दीर्घायु होने की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी। इस दौरान बेलखरनाथ ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ा राजकुमार सिंह , आसपुर देवसरा ब्लाक प्रमुख कमलाकांत यादव, पूर्व प्रधान पत्रकार धर्मेंद्र मिश्र, पीयूष सिंह सिंह,अजय सिंह टक्कू सिंह, हरीश जायसवाल पन्ने सतीश सिंह,संजीव सिंह,प्रधान अरूण कुमार सोनी, क्षेत्र पंचायत सदस्य देवी प्रसाद सिंह, अवनीश मिश्र,राकेश सिंह,मनीष मिश्र, लिटिल सिंह आदि अन्य कई गांवों के ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्यगण एवं मित्रगण मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने किया आरो प्लांट व भोजनालय का उद्घाटन

कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रहरियों में वितरण हुआ कम्बल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी,सिद्धार्थनगर। थाना शिव नगर डिड़ई में सोमवार को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द ने नवनिर्मित मेश (भोजनालय) तथा आरो प्लांट का उद्घाटन किया। सोमवार दोपहर बाद 02.40 बजे थाने पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक का क्षेत्राधिकारी देवी गुलाम सिंह व थानाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला द्वारा पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया। पुलिस द्वारा दी गई परेड सलामी के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। भोजनालय कक्ष के शिलापट के पूजनोपरांत कप्तान ने भोजनालय कक्ष के दरवाजे पर लगे फीते को काटकर भोजनालय का उद्घाटन किया। इसी क्रम में शुद्धपेयजल के लिए लगाए गए आरो प्लांट का भी उन्होंने उद्घाटन किया। कार्यक्रम की समाप्ति के पूर्व पुलिस अधीक्षक ने मौजूद ग्राम प्रहरियों को कम्बल वितरण कर उनके कुशलक्षेम की जानकारी लिया। ग्राम प्रहरियों से मुस्तैदी के साथ गांव की निगरानी रखने व व थाने के संपर्क में बने रहने की बात कही।

जन सहयोग हुए इस कार्य के लिए उन्होंने सभी सहयोगी प्रधान अथवा संभ्रांत लोगों के प्रति पुलिस की ओर से आभार व्यक्त किया, और कहा कि भोजनालय कक्ष के होने से पुलिस कर्मियों को मीनू के अनुसार पोषण युक्त भोजन तथा आरो लगने से स्वच्छ पानी मिलेगा, जिससे पुलिस कर्मी शारिरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ कर लोगों को सेवा प्रदान कर सकेंगे। इस दौरान कपिलवस्तु थानाध्यक्ष ज्ञानेंद्र कुमार राय, खेसरहा थानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, बांसी कोतवाली प्रभारी अनुज कुमार सिंह, एसआई राकेश त्रिपाठी, अमित कुमार, धर्मेंद्र प्रजापति, राजकिशोर यादव, कपिल मुनि राय, रमेश साहनी, हे0कां0 करुणेश यादव, रामशरण, जयप्रकाश, उपेंद्र प्रजापति, अवनीश कुमार, जितेंद्र राजभर, सुशील यादव, प्रमोद कुमार, मनोज यादव तथा नीरज मणि त्रिपाठी, तथा प्रधान अरुण प्रतापसिंह, मो0 युसुफ, वसीम खान, अजयकुमार यादव अब्दुल रहीम, तौली, राम नरेश चौरसिया, आदि सहित गोपाल तिवारी जिकुरुल्लाह व क्षेत्र के तमाम अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया गोवंश आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जयेंद्र कुमार, निरीक्षण के समय नीरज कुमार, खण्ड विकास अधिकारी, उसका, गोवंश संरक्षित है। जिसकी गणना करके सत्यापित किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने विकास खण्ड–उसका के ग्राम पंचायत मरवाटिया माफी में संचालित अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण किया गया। शैलेन्द्र कुमार गुप्ता, ग्राम सचिव एवम ग्राम प्रधान, केयर टेकर सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे। खण्ड विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि वर्तमान में 48 निर्देशित किया गया पशु चिकित्सक नियमित गौशाला का भ्रमण करे व पशुओं का स्वास्थ परिक्षण करे गोवंश के लिए पर्याप्त भूसा उपलब्ध पाया गया। खण्ड विकास अधिकारी बताया गया कि पर्याप्त भूसा क्रय किया गया है। ठंड से बचाव के लिए तिरपाल का प्रबन्ध किया गया है। गोवश के लिए हरा चारा के व्यवस्था करने के भूमि किराए पर लिया गया। जिसमे चरी बोया गया है। गौशाला के बगल में गोबर से कम्पोस्ट खाद बनाने के लिए शेड का निर्माण कराया गया है, परन्तु इसका प्रयोग नहीं किया जा रहा है। खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि शेड में गोबर से खाद के निर्माण हेतु समूह की महिलाओं की सहभागिता से संचालन कराना सुनिश्चित करें।

विकासखंड बांसी में प्रधानो ने किया एक दिवसीय सांकेतिक धरना

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी,सिद्धार्थनगर। अखिल भारतीय प्रधान संघ के विकासखंड बांसी के अध्यक्ष कृष्ण मुरारी यादव ने 28 अक्टूबर 2021 को रमाबाई अंबेडकर मैदान में महा रैली के माध्यम से सरकार के समझ अपनी मांग पत्र सौंपा था जिसका संज्ञान लेकर जो घोषणा की गई थी उसको तत्काल अमल में लाने की मांग करते हुए एक दिवसीय सांकेतिक धरना देकर खंड विकास अधिकारी को 16 सूत्री मांग पत्र सौंपा मांग पत्र में सहायक सचिव तब डाटा इंट्री ऑपरेटर शौचालय केयरटेकर एवं प्रधान के मानदेय की व्यवस्था तत्काल अमल में लाया जाए रजिस्टर्ड डिप्लोमा होल्डर या जनपद में नियुक्त किसी भी तकनीकी सहायता से स्टीमेट बनाने की छूट का सविधान करने का मुख्यमंत्री के आश्वासन को तत्काल लागू किया जाए जिले के प्रधानों क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्यों की सभा में पंचायतों से जुड़ी समस्याओं के माध्यम के लिए जनपद स्तर पर माह में एक बार जिले जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में पंचायत दिवस मनाया जाने के वादों को शीघ्र क्रियान्वित किया जाए जिला योजना समिति में प्रधानों को प्रतिनिधि दिए जाने के वादों को शीघ्र अमल में लाया जाए वर्तमान की दैनिक मजदूरी को बढ़ाकर तत्काल 400 किया जाए क्योंकि पुराने मूल्य पर मजदूरी करने को तैयार नहीं है 3 वर्ष के अधिक समय से तैनात ब्लॉक कर्मियों का हस्तांतरण किया जाए वर्ष 1993 में पारित 73वें संविधान संशोधन विधेयक के तहत 29 विषय व उनसे जुड़े अधिकार कोष, कार्य, और पंचायत कर्मियों को पंचायतों को सौप कर सत्ता विकेंद्रीकरण की आदर्श व्यवस्था लागू की जाए पंचायतों में प्रयुक्त होने वाली निर्माण सामग्री ईट मोरंग सफेद बालू गिट्टी सरिया सीमेंट आदि का मूल्य बाजार दर से बहुत ही कम है अतः उसे बाजार दर के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए उपरोक्त निर्माण सामग्री के मूल का निर्धारण लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है जबकि उपरोक्त सामग्री का प्रयोग संघ लोक निर्माण विभाग द्वारा नहीं किया जाता है जिसके कारण लोक निर्माण विभाग द्वारा जानबूझकर बाजार दर से कम मूल्य निर्धारित किया जाता है अतः मूल निर्धारण का कार्य किसी अन्य एजेंसी को दिया जाए उपरोक्त मांगों को लेकर प्रधान संगठन के बांसी ब्लॉक अध्यक्ष कृष्ण मुरारी यादव के नेतृत्व में सांकेतिक धरने में जिला उपाध्यक्ष राजेश पासवान ने भी समस्याओं को जल्द से जल्द समाधान करने की मांग किया है इस दौरान जिला उपाध्यक्ष राजेश पासवान, सुनीता, राम कुमार पासवान प्रधान प्रतिनिधि हाटा खास, कुलदीप कुमार, समी मोहम्मद, निर्मला, रामपाल यादव, वासुदेव, राघवेंद्र, चंद्रावती, आजाद, आदि सहित काफी संख्या में प्रधान उपस्थित रहे।

दहेज हत्या में वांछित अभियुक्तों को उसका पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। रविवार को क्षेत्र के करछुलिया

खालसा में संदिग्ध परिस्थितयो में हुई विवाहिता की मौत के मामले में चौबीस घण्टे के अंदर उसका पुलिस ने नामजद आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की। मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार को जनपद पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के आदेश के क्रम में अपराध व अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक बलजीत कुमार राव के कुशल नेतृत्व में उक्त मामले में दर्ज मु0अ0सं0 11/2023 धारा 498 ए/304 बी भा0द0वि0 व 3/4 डी0पी0 एक्ट से सम्बंधित वांछित अभियुक्तों क्रमशः अब्दुल वहिद पुत्र अब्दुल हई उम्र करीब 19 वर्ष तथा हदीसुन निशा पत्नी अब्दुल हई उम्र करीब 55 वर्ष साकिनान करछुलिया खालसा को मुकामी पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।दहेज हत्या में आरोपी अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली उसका पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक बलजीत कुमार राव, उप निरीक्षक नन्दू गौतम, आरक्षी मनीष कुमार यादव, अखिलेश सिंह आदि शामिल रहे।

थाली चम्मच बजाकर मनरेगा के नये शासनादेश का विरोध जताया प्रधान एवं मजदूरो ने

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। मनरेगा कार्य में एनएमएमएस ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने के विरोध में अखिल भारतीय प्रधान संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश के अगुवाई में जिले के सभी ब्लॉकों पर सोमवार को मनरेगा मजदूरों के साथ लेकर थाली और चम्मच बजाकर विरोध प्रदर्शन कर खण्ड विकास अधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। यह बांते अखिल भारतीय प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष चंद्रमणि यादव ने कहा कि जिले क ब्लॉक अध्यक्ष अपने गाँव से मनरेगा मजदूरों के साथ अपने ब्लॉक कार्यालय पहुँच कर खंड विकास अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया गया। सरकार हमारी माँगों के समाधान के लिए शासन एवं सरकार मनरेगा का नया शासनादेश जबतक वापस नहीं लेगी प्रदर्शन चलेगा। सदर ब्लॉक पर प्रदर्शन की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष राम नरेश यादव ने किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष चंद्रमणि यादव, राज नारायण यादव, चंद्रजीत जायसवाल, मुराली प्रधान, महेंद्र यादव, बृजलाल, सुहेल अहमद, बीर बहादुर यादव, राजेंद्र यादव, प्रधान, हरिश्चंद्र यादव, सहज राम यादव, चंद्रिका यादव, राकेश प्रसाद, परास यादव, बृजेश मिश्रा, रमेश चंद्र लालगीर, शब्बीर, रहीस, पितांबर, जमुना व नंद किशोर आदि ने अपने धरना प्रदर्शन को संबोधित किया। अंत में बीडीओ अरुण कुमार श्रीवास्तव को प्रधानमंत्री को संबोधित 14 सूत्रीय मांगों के समाधान का ज्ञापन सौंपा। बर्डपुर विकास में ब्लॉक अध्यक्ष इंजीनियर प्रदीप चौधरी के अगुवाई में धरना प्रदर्शन हुआ। बीडीओ सुरेश कुमार मौर्या को ज्ञापन सौंपा।

वर्मा इलेवन बर्डपुर ने फाइनल मुकाबला जीता, ट्राफी पर बनाया कब्जा

- भारत रत्न स्व अटल बिहारी वाजपेयी कैनवस वॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजित हुआ फाइनल मुकाबला
- टूर्नामेंट के सफल आयोजन को लेकर आयोजन समिति को सभी ने सराहा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बर्डपुर,सिद्धार्थनगर। जूनियर हाईस्कूल के खेल मैदान पर भारत रत्न स्व अटल बिहारी वाजपेयी कैनवस वॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में वर्मा इलेवन क्रिकेट क्लब बर्डपुर व ककरहवा क्रिकेट क्लब ककरहवा के बीच खेला गया। जिस मुकाबले में बर्डपुर की टीम ने ककरहवा को 20 रनों से हराकर फाइनल मुकाबला जीत लिया। उक्त मैच में बर्डपुर ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बर्डपुर के खिलाड़ियों ने निर्धारित 16 ओवर के मुकाबले में 8 विकेट के नुकसान पर कुल 209 रन बनाए। और ककरहवा को जीत के लिए 210 रनों का विशाल लक्ष्य दिया। जिसके जबाब में 210 रनों के विशाल स्कोर का पीछा करते हुए ककरहवा की टीम 189 रनों पर ही ढेर हो गई। और इस प्रकार वर्मा इलेवन ने फाइनल मुकाबले में 20 रनों से मैच जीतकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में सर्वाधिक 35 गेंदों पर 54 रन और तीन विकेट लेने वाले खिलाड़ी धर्मवीर को मैन आफ द मैच चुना गया। पूरे टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन कर 73 रन और नौ विकेट लेने वाले खिलाड़ी पर प्रदीप कुमार को मैन ऑफ द सीरीज एलईडी टीवी प्रदान किया गया। वहीं आयोजन समिति द्वारा विजेता एवं उप विजेता दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों को मेडल, गिफ्ट, एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस दौरान सदर विधायक प्रतिनिधि सत्यप्रकाश राही, पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ प्रमोद यादव, जिला पंचायत सदस्य सबलू साहनी, बांसी मंडल प्रभारी अरविन्द उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष लोटन द्रिगणरायण सिंह, नौगढ़ नगर से अर्चिस्मान मिश्र, जोगिया से महेंद्र लोधी, फूलचंद्र जयसवाल, राजकमल जयसवाल, सुनील जयसवाल, विजय चौरसिया, प्रदीप चौधरी, श्याम प्रकाश जयसवाल, आयोजक नितेश पांडेय, अध्यक्ष अमित उपध्याय, अंपायर सोनू गोस्वामी, शिवकुमार यादव, कैमेंट्रेटर जाकिर हुसैन, स्कोरर अमरजीत, देवकुमार, महामंत्री जयराम यादव, कोषाध्यक्ष विनय कुमार वर्मा, टीम मैनेजमेंट संतोष उपाध्याय, उपाध्यक्ष अखिलेश जयसवाल, विवेक गोस्वामी, वीरेंद्र जयसवाल, मंत्री कंचन वर्मा,अबू शामा खान, सुशील कुमार, राकेश मिश्रा, मंटू यादव, अफजल हुसैन, अरुण जयसवाल, नौशाद अहमद, अमित गोस्वामी, मोनू गोस्वामी, राहुल यादव, सरफराज हुसैन, रजत तिवारी, विनय मिश्रा, कंचन, ऋषि गोस्वामी, कमलेश विश्वकर्मा, विशाल कुमार, सिद्धार्थ सिंह, अनिरुद्ध कुमार, आशीष जयसवाल, मोनू जयसवाल, रामबिलास यादव, श्यामबिहारी मिश्रा, हृदयनारायण पाण्डेय, कृष्णा चौधरी, अवधेश मोदनवाल, संजय मिश्रा, अमन जयसवाल, सोनू गुप्ता, अनिल कुमार, शिव बालक कसौधन, अमित कुमार, अनूप यादव, सत्यनारायण, धर्मेंद्र कुमार, आकाश मोदनवाल, सहित हजारों की संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने किया जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में जिलाधिकारी कक्ष में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संजीव

रंजन ने जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत जनपद में हर घर जल नल योजना के अन्तर्गत विभिन्न विकास खण्डो से चयनित ग्राम पंचायतो में कियान्वयन हेतु अधिशासी अभियन्ता जल निगम को निर्देश दिया गया। तहसील बांसी में प्रगति कम पाये जाने पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत जनपद में हर घर जल नल योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों में कार्य के दौरान सड़क क्षतिग्रस्त हो गयी थी उनको ठीक कराने का निर्देश दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार ने संबधित को निर्देश देते हुए कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में भूति मिल गई है उसका पोर्टल पर फीडिंग कराने का निर्देश दिया। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, अधिशासी अभियन्ता जल निगम, सहायक अभियन्ता जल निमग महेश कुमार, तथा अन्य संबधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

असलियत यह है कि जहां भी कांग्रेस का अपना हित सीधे किसी पार्टी से टकरा रहा है वह पार्टी कांग्रेस को पसंद नहीं है। जहां पार्टी पहले ही अपने हितों का सरेंडर कर चुकी है वहां की पार्टियों के साथ काम करने में कांग्रेस को दिक्कत नहीं है। आम आदमी पार्टी सीधे कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रही है। उसने दिल्ली कांग्रेस के ...

केजरीवाल और केसीआर कांग्रेस को पसंद नहीं

कांग्रेस पार्टी ने कमाल किया है। भारत जोड़ो यात्रा के समापन समारोह में शामिल होने के लिए उसने देश की 21 पार्टियों को न्योता दिया है लेकिन आम आदमी पार्टी और भारत राष्ट्र संघ को नहीं बुलाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने सभी 21 पार्टियों के अध्यक्षों को चिऋी लिखी है। सोचें, खडगे को संसदीय कामकाज के दौरान आम आदमी पार्टी और भारत राष्ट्र समिति के साथ राजनीकि करने में कोई दिक्कत नहीं होती है। उन्होंने पिछले शीतकालीन सत्र में दो बार विपक्षी पार्टियों की बैठक बुलाई, जिसमें इन दोनों पार्टियों के नेता शामिल हुए। संसद में सरकार को घेरने में इन दोनों पार्टियों ने कांग्रेस के साथ सहयोग किया। लेकिन कश्मीर के श्रीनगर में 30 जनवरी को यात्रा के समापन कार्यक्रम का न्योता इनको नहीं दिया गया है। इससे पहले भी राहुल गांधी के नेतृत्व में हो रही यात्रा जब दिल्ली पहुंचने वाली थी तब सभी विपक्षी पार्टियों को चिऋी लिख कर बुलाया गया था उसमें भी आप नेता अरविंद केजरीवाल को चिऋी नहीं लिखी गई थी। यह अलग बात है कि कोई भी विपक्षी पार्टी कांग्रेस के बुलावे पर उसकी यात्रा मे शामिल नहीं हुई। इसके बाद उत्तर प्रदेश में जब यात्रा पहुंची तो वहां की विपक्षी पार्टियों को न्योता दिया गया लेकिन उनमें से भी कोई नेता यात्रा में शामिल नहीं हुआ। अब तीसरी बार विपक्षी पार्टियों को न्योता दिया गया है। कांग्रेस ने कहा है कि मल्लिकार्जुन खडगे ने

समान विचारधारा वाली पार्टियों को न्योता दिया है। तो सवाल है कि क्या अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और के चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति को कांग्रेस समान विचारधारा की पार्टी नहीं मानती है? अगर ये समान विचार वाली पार्टियां नहीं हैं तो संसद में इनके साथ कैसे समन्वय और सहयोग बनता है? एक सवाल यह भी है कि किस आधार पर कांग्रेस इन दोनों को समान विचार वाली पार्टी नहीं मान रही है? केजरीवाल की तरह राहुल गांधी भी मंदिर मंदिर जाते हैं और उनकी तरह मुफ्त में बिजली, पानी की घोषणा कांग्रेस भी करती है। केजरीवाल और केसीआर दोनों की पार्टी भी भाजपा के खिलाफ बोलते और उससे लड़ते हैं। सो, यह विचारधारा का मामला है। असलियत यह है कि जहां भी कांग्रेस का अपना हित सीधे किसी पार्टी से टकरा रहा है वह पार्टी कांग्रेस को पसंद नहीं है। जहां पार्टी पहले ही अपने हितों का सरेंडर कर चुकी है वहां की पार्टियों के साथ काम करने में कांग्रेस को दिक्कत नहीं है। आम आदमी पार्टी सीधे कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रही है। उसने दिल्ली कांग्रेस के हाथ से छीन ली, गोवा और गुजरात में कांग्रेस को नुकसान किया और इस साल होने वाले चुनाव में राजस्थान सहित कुछ और राज्यों में कांग्रेस को नुकसान कर सकती है। इसलिए वह कांग्रेस को पसंद नहीं है। तेलंगाना का निर्माण कांग्रेस ने कराया था और वह वहां वापसी की उम्मीद कर रही है, जिसके लिए उसको सीधे केसीआर की पार्टी से टकराना है। ऊपर से केसीआर कांग्रेस को छोड़ कर मोर्चा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। सोचें, अगर भाजपा विरोधी गठबंधन बनाने का कांग्रेस का यह पैमाना होगा तो कैसे गठबंधन बनेगा और काम करेगा?

एक खतरा यह भी

यह रिसर्च भारत और चीन में किया गया। शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि इन दोनों ही देशों में ये समस्या गंभीर रूप ले रही है। कई जगहों के पानी में एंटीबायोटिक की मौजूदगी अधिकतम सीमा से ज्यादा है। बेकार पानी को साफ करके पीने के पानी में बदलने वाले ट्रीटमेंट प्लांट एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) पैदा करने का बड़ा ठिकाना बन रहे हैं। इसकी वजह पानी में एंटीबायोटिक की मौजूदगी है। यह जानकारी मशहूर ब्रिटिश हेल्थ जर्नल द लैन्सेट में छपे एक शोध से सामने आई है। यह रिसर्च भारत और चीन में किया गया। शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि इन दोनों ही देशों में ये समस्या गंभीर रूप ले रही है। रिसर्च के लिए दोनों देशों में जगहों से पानी के नमूने लिए गए। इनमें वेस्टवॉटर और ट्रीटमेंट प्लांट्स से लिए गए पानी के नमूने भी थे। जांच में पाया गया कि कई जगहों के पानी में एंटीबायोटिक की मौजूदगी अधिकतम सीमा से ज्यादा है। चीन में एएमआर की स्थिति पैदा करने का सबसे ज्यादा जोखिम नल के पानी में पाया गया। इसमें सिप्रोफ्लोएक्सिन की काफी मौजूदगी मिली। भारत में शहरी इलाकों में आम तौर पर नगर निगम और नगरपालिकाएं लोगों को नल के पानी की आपूर्ति करती हैं। इस पानी को पहले ट्रीटमेंट प्लांट में साफ किया जाता है। प्लांट तक पहुंचने वाले पानी में कोई स्रोतों का योगदान होता है। इनमें अस्पताल, मवेशी पालन की जगहें और दवा उत्पादन के स्थल भी शामिल हैं। डॉक्टरों के मुताबिक एएमआर पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा खतरा है। इसके कारण अकेले 2019 में ही दुनिया भर में करीब 50 लाख लोगों की मौत हुई। 2016 में हुए एक अनुसंधान के मुताबिक एएमआर के कारण भारत में हर साल करीब 60 हजार नवजात बच्चों की मौत हो रही है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में केवल 43 फीसदी न्यूमोनिया के मामलों को ही शुरुआती स्तर के एंटीबायोटिक्स से ठीक किया जा सका। जबि 2016 में यह आंकड़ा 65 फीसदी था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2015 में इस समस्या से निपटने के लिए एक वैश्विक रणनीति की घोषणा की थी। भारत में भी 2017 में इस पर एक राष्ट्रीय कार्ययोजना पेश की गई। लेकिन एक मीडिया एक रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर 2022 तक केवल तीन ही राज्य इस अमल के लिए अपनी कार्ययोजना ला पाए।

जोशीमठ आपदा : सार्थक हल निकलने की उम्मीद

जोशीमठ में हालात की गंभीरता को देखते हुए अब एनटीपीसी की तपोवन–विष्णुगढ़ जलविद्युत परियोजना और मारवाड़ी–हेलंग बाईपास मोटर मार्ग को अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। संकट और दहशत के बीच लोग लगातार सरकार से ध्यान देने की मांग कर रहे थे। अब सारे मामले को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं देख रहे हैं। अब एक उम्मीद बंधी है कि जोशीमठ संकट...

डॉ. आर.के. सिन्हा

देवभूमि के जोशीमठ में तेजी से जमीन धंसने की खबरों को देख–सुनकर सारे देश का चिंतित होना स्वाभाविक है। जोशीमठ में अफरा–तफरी का माहौल है। दरारों से भरी हुई सड़कें और मकान भय और आतंक, दोनों उत्पन्न करते हैं। इस समय सारा देश जोशीमठ और उत्तराखंड की जनता के साथ खड़ा दिख रहा है। जोशीमठ शहर पर जमीन में समाने का खतरा लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है। इस पूरे क्षेत्र को शसिंकिंग जोन्य करार दिया गया है। तेजी से बदलते हालात की वजह से आपदा प्रभावित इलाकों में रहने वाले हजारों परिवारों को पुनर्वास केंद्रों में ले जाया जा रहा है। अब जोशीमठ में ताजा स्थिति के लिए पर्यटन, अवैध निर्माण और सुरंगों और बांधों का निर्माण बताया जा रहा है। कहने वाले तो यह भी कह रहे हैं कि अनियंत्रित भवन निर्माण को देख भूकंप भी जोशीमठ को घूर रहा है। इसलिए जोशीमठ का अस्तित्व खत्म होता नजर आ रहा है। वहां पर जमीन के अंदर भारी भरकम सुरंग तो खोद दिए गए, लेकिन राज्य के पर्यावरण की अनदेखी की गई। जोशीमठ में भयावह स्थिति के चलते स्थानीय जनता की आंखों में सिर्फ आंसू के अलावा कुछ नहीं है। जीवन भर की कमाई से मकान बनाने वालों को अपनी आंखों के सामने उनको जमींदोज होता देखना पड़ रहा है। जोशीमठ ग्लेशियर के मलबे पर बसा शहर है, जिसकी जमीन बहुत मजबूत नहीं है। इस बात का उल्लेख 50 साल पहले की एक रिपोर्ट में किया भी गया था। इस रिपोर्ट में अनियोजित विकास के खतरों को रेखांकित करते हुए चेतावनी दी गई थी कि जोशीमठ में छेडखानी के परिणाम भारी पड़ सकते हैं। रिपोर्ट में जड़ से जुड़ी चट्टानों, पत्थरों को बिल्कुल भी न छेडने के लिए कहा गया था। वहीं यहां हो रहे निर्माण को भी सीमित दायरे में समेटने की सलाह की गई थी। पर इन सिफारिशों को अनदेखा किया गया। इसके बाद और अध्ययनों में भी ऐसी ही बातें सामने आई कि इस पहाड़ी इलाके में विकास के नाम पर चल रही बड़ी परियोजनाएं आखिरकार, तबाही का कारण बन सकती हैं। उत्तराखंड को देवभूमि कहते हुए यहां धार्मिक गतिविधियों को बढ़ाने की योजनाएं बनाई गई। धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन बढ़ाकर आर्थिक समृद्धि के सपने दिखाए गए। लेकिन, यह सब किस कीमत पर हासिल होगा, लगता है कि इस पर विचार नहीं किया गया। जोशीमठ प्राचीन शहर है। यहां 8वीं सदी में धर्मसुधारक आदि शंकराचार्य का प्रवास हुआ। फिलहाल चर्चा है कि वर्तमान संकट के लिए एनटीपीसी द्वारा बनाए जा रहे बिजलीघर के अंडरग्राउंड टनल के निर्माण लिए विस्फोटकों का प्रयोग, जलविद्युत परियोजना के लिए अंधाधुंध खुदाई तथा नेशनल हाईवे बनाने के लिए अनियमित ढंग से जंगलों की कटाई है। देखिए, जो चौड़ी दरारें बद्रीनाथ में पड़ चुकी हैं, जिनकी वजह से सड़कें और इमारतें धंसती जा रही हैं। विशेषज्ञों की सलाह है कि अब बद्रीनाथ को बचाने के लिए भी भागीरथी प्रयास करने होंगे। भारत ऐसा देश है, जहां नौ महीने से अधिक समय तक सूर्य रहता है। जब हमारे पास अनगिनत सौर ऊर्जा परियोजनाएं हो सकती हैं, तो जलविद्युत परियोजना की जरूरत ही क्यों है? हमें इस तरफ भी विचार करना होगा। जोशीमठ से बाहर रहने वाले लोग शायद वहां के लोगों का दर्द महसूस नहीं कर सकते। कैसी विडम्बना है, जब जलविद्युत परियोजनाएं बनती हैं, तब ग्रामीणों के पुनर्वास के लिए बहुत सारे वादे किए जाते हैं, लेकिन होता कुछ भी नहीं है। इस तबाही के लिए कौन जिम्मेदार है? अब इस दुर्घटना की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और पुनर्वास के साथ भारी भरकम मुआवजा भी दिया जाना चाहिए। यह याद रखना होगा कि प्रकृति का अपना स्वयं का स्वतंत्र धर्म एवं नियम है। प्रकृति से खिलवाड़ एवं उसका अतिक्रमण मनुष्य को बहुत ही भारी पडने वाला है। और यह सब मनुष्य को अपने आप को छद्म धार्मिक साबित करने के चलते हो रहा है सदियों से जोशीमठ अस्तित्व में है, लेकिन पिछले कुछ वर्षो तक वहां इतनी भीड़भाड़ नहीं थी। जब से समाज में पाखंड दिखावे और ढोंग का बोलबाला हुआ है, तब से कमोबेश सभी धार्मिक स्थलों का यही हाल है। दस साल पहले जून, 2013 में उत्तराखंड के केदारनाथ में भयंकर तबाही हुई थी। भयंकर बारिश और मंदाकिनी नदी में उफान ने हजारों जिंदगियां लील ली थीं, सैकड़ों घर तबाह हो गए थे। इस आपदा को प्राकृतिक कहा गया, लेकिन, असल में यह प्रकृति से अधिक मानव–निर्मित आपदा थी। बारिश, गर्मी और सर्दी ऋतु चक्र का हिस्सा हैं। भूगर्भ शास्त्री कहते हैं कि धरती के नीचे तरह–तरह के परिवर्तन होते रहते हैं, इसलिए धरती कभी कांपती है, कभी उसके नीचे की सतहें एक जगह से दूसरी जगह सरकती हैं। ये सारी व्यवस्थाएं इसलिए हैं ताकि धरती का अस्तित्व बना रहे। पेड़, पौधे, कीड़े–मकौड़े, जानवर सब इस व्यवस्था के हिसाब से चलते हैं। लेकिन इंसान ने अपनी बुद्धि के घमंड में इस व्यवस्था को चुनौती देनी शुरू कर दी। जिन जगहों पर पहाड़ों को होना था, जहां जंगलों का विस्तार होना था, जहां नदियों को बहने के लिए निर्बाध जगह चाहिए, जहां बारिश के पानी को समाने के लिए स्थान चाहिए, उन सारी जगहों पर इंसान ने अपना कब्जा जमाना शुरू कर दिया, लेकिन जब उसके कब्जे को प्रकृति का नुकसान पहुंचा, तो उसे प्राकृतिक आपदा का नाम दे दिया गया। यह नाम देने की सुविधापूर्ण चालाकी ही फिर से भारी पड़ती दिखाई दे रही है। क्या केदारनाथ संकट से कोई सबक न लेने का नतीजा है, जोशीमठ का धंसना? जोशीमठ में हालात की गंभीरता को देखते हुए अब एनटीपीसी की तपोवन–विष्णुगढ़ जलविद्युत परियोजना और मारवाड़ी–हेलंग बाईपास मोटर मार्ग को अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। संकट और दहशत के बीच लोग लगातार सरकार से ध्यान देने की मांग कर रहे थे। अब सारे मामले को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं देख रहे हैं। अब एक उम्मीद बंधी है कि जोशीमठ संकट का सार्थक हल निकलेगा। वहां की परेशान जनता के साथ तो सारा देश और सरकार खड़ी हैं ही।

एक बजट, भारत के लिए

व्यापक प्रभाव का स्पष्ट रूप से दिखाई पडना अभी शेष है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था, खराब ;णों की अभूतपूर्व वृ‍ि से बैंकिंग क्षेत्र को हुई क्षति की भरपाई करने में जुटी थी। इसके अलावा, महामारी के साथ शुरू हुए एक के बाद एक संकटों ने सुधार प्रक्रिया को धीमा कर दिया। हालांकि, अर्थव्यवस्था को कमजोर करने वाले इन संकटों के समाप्त होने के साथ ही, देश की अर्थव्यवस्था फिर से पटरी पर...

अनिल पद्मनाभन

इस साल का केंद्रीय बजट– भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की ओर से लगातार 11वां बजट– असाधारण परिस्थितियों की पृष्ठभूमि में पेश किया जा रहा है। यह अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले का अंतिम नियमित बजट है, जो ऐसे दौर में पेश किया जा रहा है, जब एक अति–विभाजित दुनिया अभूतपूर्व आर्थिक चुनौती का सामना कर रही है, जिसे जलवायु परिवर्तन ने और भी जटिल बना दिया है। 2020 में कोविड–19 महामारी के आने के बाद से, दुनिया को अभूतपूर्व परिमाण की संभावनाओं वाले विभिन्न संकटों का सामना करना पड़ा है– रूस–यूक्रेन संघर्ष, इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी और हाल ही में चीन में कोविड–19 महामारी का तेजी से फैलना। महामारी, भू–राजनीतिक तनाव, वैश्विक स्तर पर नकदी में कमी और कमोडिटी की कीमतों के उतार–चढ़ाव के मिले–जुले प्रभाव ने सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था संयुक्त राज्य अमेरिका समेत पूरी दुनिया को खतरनाक रूप से मंदी के करीब ला दिया है। हालांकि, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए खुशी के कारण मौजूद हैं। 2022–23 में 6.5 से 7 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करने के लिए तैयार अपनी अर्थव्यवस्था के साथ, भारत इस गंभीर वैश्विक धारणा को चुनौती देना जारी रखे हुए है। इससे भी अच्छी बात यह है कि वित्त मंत्री के पास इस तथ्य को मानने के पर्याप्त कारण हैं कि यह मुख्य रूप से 2014 में सत्ता में आने के बाद एनडीए द्वारा अपनाई गई नीतिगत कार्ययोजना का परिणाम है।

नयी कार्ययोजना: नौ साल पहले सत्ता में आने के बाद से, एनडीए ने भारतीय अर्थव्यवस्था को केन्द्रबिन्दु बनाने की कोशिश की है। वैश्विक निवेश बैंकों, विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा हाल ही में इन नीतिगत परिवर्तनों की सराहना और पुष्टि भी की गई है। सबसे बड़े अप्रत्यक्ष कर सुधार– वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी)– के लागू होने के साथ इसकी शुरुआत हुई, जिसने पहली बार देश को आर्थिक रूप से एकीकृत किया। जीएसटी सिद्धांत, श्एक राष्ट्र, एक टैक्सश ने विभिन्न मतभेदों को नाटकीय रूप से कम करके अर्थव्यवस्था को और अधिक कुशल बना दिया। आश्चर्य की बात नहीं है कि मासिक सकल जीएसटी संग्रह अब औसतन 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक है– नवंबर में सरकारी कोष में 1.45 लाख करोड़ रुपये जमा हुए हैं। निजी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने और इसे पुनर्जीवित करने के लिए केंद्र सरकार ने कॉरपोरेट टैक्स की दरों को मौजूदा 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया। इसके अलावा, सरकार ने 2019 के बाद निगमित कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत की निम्न दर निर्धारित की। इस योजना को 2023 तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, 2016 में दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के पारित होने से वाणिज्यिक बैंकों के पुराने व अप्राप्य ऋणों को कम करने में मदद मिली। 2021–22 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, वित्तीय लेनदारों ने 30 सितंबर 2021 के अंत तक बैंकों के 7.94 लाख करोड़ रुपये के कर्ज में से 2.55 लाख करोड़ रुपये की वसूली की। वित्तीय क्षेत्र की इस व्यवस्था ने, जिसमें बैंक बैलेंस शीट का पूंजीकरण भी शामिल था, वाणिज्यिक बैंकों की उधार देने की क्षमता को बहाल किया। निजीकरण की नीति को औपचारिक रूप देने के बाद, एनडीए ने एक प्रमुख वैचारिक बदलाव भी कियादृ इसका सबसे ताजा उदाहरण टाटा समूह को एयर इंडिया की बिक्री है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने बड़े पैमाने की ग्रीनफील्ड अवसंरचना परियोजनाओं के लिए धन अर्जित करने हेतु सार्वजनिक क्षेत्र के स्वामित्व वाली निष्क्रिय संपत्तियों के मुद्रीकरण के लिए कदम उठाये हैं– अंतर्निहित रणनीति, निजी निवेश के लिए धन–अर्जन पर आधारित है।

राजकोषीय विवेक, वित्तीय संसाधनों को खोलना और कर संग्रह में वृद्धि आदि ने वित्त मंत्री को अवसंरचना परियोजनाओं और कोविड–19 राहत पैकेजों को वित्तपोषित करने के लिए साधन प्रदान किए हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जिन संरचनात्मक सुधारों ने आर्थिक दक्षता में सुधार किया है, वे महामारी के कारण हुई आर्थिक तबाही के खिलाफ स्पष्ट रूप से एक अतिरिक्त उपाय साबित हुए हैं। डिजिटल जनकल्याण: पिछले एक दशक में आधार, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई), कोविन, डिजिटल वाणिज्य के लिए ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी), खातों को जोडना, स्वास्थ्य योजनायें और ऋण को सक्षम करने के लिए ओपन नेटवर्क (ओसीईएन) जैसी डिजिटल जनकल्याण (डीपीजी) योजनाओं की तेजी से शुरुआत से भी भारतीय अर्थव्यवस्था को अप्रत्याशित बढ़ावा मिला है। इन डिजिटल जनकल्याण (डीपीजी) योजनाओं को एक ओपन डिजिटल इकोसिस्टम में तैयार किया गया है, जो भुगतान, स्वास्थ्य देखभाल आदि में नवाचार के लिए निजी क्षेत्र को इन डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने में सक्षम बनाता है। इसी के साथ, शुरुआत करने की लागत को बहुत कम करके, इन डीपीजी ने अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने को गति दी तथा पहचान, कोविड–19 टीकाकरण, भुगतान, ऋण और हाल ही में ई–कॉमर्स तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण किया। इन सार्वजनिक डिजिटल माध्यमों का उपयोग केंद्र सरकार द्वारा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण को गति देने के लिए भी किया गया है, जिसका मूल्य कुल मिलाकर 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। प्रत्यक्ष लाभ को सीधे तौर पर हस्तांतरित करने से सरकारी कोष की हानि (लीकेज) को रोकने में भी सफलता मिली है तथा 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। इसके अलावा, ये लाभार्थी भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रमुख हितधारक बन गए हैं दृ जिसे वे पहले बाहर से देख रहे थे। महामारी संकटः कोविड–19 महामारी की शुरुआत तथा इसके कारण हुए अर्थव्यवस्था के लॉकडाउन ने न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में जीवन और आजीविका दोनों के लिए भारी संकट पैदा कर दिया। हालांकि अन्य देशों के विपरीत, भारत ने अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन के विकल्प का चयन नहीं किया।

इसके बजाय, देश ने एक सोची–समझी रणनीति अपनाई, जिसमें शुरुआत में जीवन बचाने पर और फिर धीरे–धीरे आजीविका पर ध्यान केंद्रित किया गया– 80 करोड़ लोगों के लिए निरूशुल्क खाद्यान्न योजना शुरू करके कमजोर वर्गों के भौतिक आधार को मजबूती दी गयी। इस योजना को अब दिसंबर 2023 तक के लिए बढ़ा दिया गया है। सभी के लिए बिजली, पेयजल, स्वच्छता और आवास प्रदान करने के बड़े प्रोत्साहन के साथ, निरूशुल्क खाद्यान्न योजना का यह असाधारण सामाजिक सुरक्षा कवचय सामाजिक संरचना के निचले हिस्से की आबादी के नुकसान को कम करने में सफल रहा। संरचनात्मक सुधारों ने अर्थव्यवस्था को और अधिक कुशल बना दिया है। व्यापक प्रभाव का स्पष्ट रूप से दिखाई पडना अभी शेष है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था, खराब ऋणों की अभूतपूर्व वृद्धि से बैंकिंग क्षेत्र को हुई क्षति की भरपाई करने में जुटी थी। इसके अलावा, महामारी के साथ शुरू हुए एक के बाद एक संकटों ने सुधार प्रक्रिया को धीमा कर दिया।

विश्व कप में पदक के सूखे को खत्म कर सकता है भारत पर पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाना होगा: दिलीप टिर्की

राउरकेला। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने रविवार को कहा कि भारत 48 साल के अंतराल के बाद इस बार विश्व कप में पदक जीत सकता है लेकिन इसके लिये मेजबान टीम को पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाना होगा। भारत ने 1975 के टूर्नामेंट में स्वर्ण जीतने के बाद से विश्व कप में पदक नहीं जीता है लेकिन अपने समय के बेहतरीन डिफेंडर में से एक और पूर्व कप्तान टिर्की ने कहा कि ग्राहम रीड के मार्गदर्शन में भारत स्वदेश में चल रहे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पोडियम पर जगह बना सकती है। टिर्की ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, ''हमने इस बार भारतीय टीम को पदक जीतने के लिए मैदान में उतारा है। हम चाहते हैं कि भारत पदक तालिका में जगह बनाए। वे इस समय काफी अच्छा खेल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन आधुनिक हॉकी बहुत बदल गई है। पेनल्टी कॉर्नर बहुत महत्वपूर्ण हो गए हैं। जब आप पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाते हो तो ज्यादातर समय टीम जीतती है। हमारे पास बहुत अच्छे ड्रैगफ्लिकर हैं और मुझे उम्मीद है कि वे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और भारत के लिए पदक जीतेंगे।'' भारत के लिए सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मुकाबले (412 मैच) खेलने वाले टिर्की ने कहा, ''(कप्तान) हरमनप्रीत सिंह ड्रैगफ्लिकर के रूप में देश के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह हालांकि स्पेन के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए। इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि भारत पेनल्टी कॉर्नर में अच्छा प्रदर्शन करेगा।'' यह पूछने पर कि क्या भारत गत चौम्पियन बेल्जियम और दुनिया की नंबर एक ऑस्ट्रेलिया को हरा सकता है तो उन्होंने कहा, ''टीम ने (पांच मैचों की) श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी, उन्होंने काफी अच्छा मुकाबला किया।''

टिर्की ने कहा, ''बेल्जियम भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम में से एक है। लेकिन भारत अब किसी भी दिन दुनिया की किसी भी टीम के को कड़ी टक्कर देने की स्थिति में है।''

तीन बार के ओलंपियन टिर्की ने यह भी कहा कि हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) को दोबारा शुरू किया जाएगा और राष्ट्रीय महासंघ इस साल के अंत तक इसे फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, ''एचआईएल को फिर से शुरू करना मुख्य एजेंडे में है। हम इस साल के अंत तक इसे फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहे हैं। हम लीग को दीर्घकालिक स्थायी आधार पर आयोजित करने के लिए एक एजेंसी खोजने जा रहे हैं और फ्रेंचाइजी भी।'' उन्होंने यह भी कहा कि भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाला विश्व कप भविष्य के प्रमुख टूर्नामेंट के मेजबान देशों के लिए मानदंड स्थापित करेगा। टिर्की ने कहा, ''जब कलिंगा स्टेडियम ने 2018 विश्व कप फाइनल की मेजबानी की तो मुझे लगा कि यह सर्वश्रेष्ठ स्टेडियम है। लेकिन जब मैंने यहां आकर खुद देखा और कोचों तथा खिलाड़ियों से बात करने के बाद यह (बिरसा मुंडा स्टेडियम) बस शानदार है। मुझे लगता है कि दुनिया में इससे बेहतर कोई स्टेडियम नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''बेशक अगर इससे बेहतर स्टेडियम बनता है तो यह हॉकी के लिए अच्छा होगा। कलिंगा स्टेडियम सहित विश्व कप की मेजबानी करने वाले इस दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम के साथ, इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह विश्व कप के भविष्य के टूर्नामेंट के लिए मानदंड तय करेगा।'' ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के सौनमारा गांव में पैदा हुए टिर्की ने कहा कि विश्व कप के बाद बिरसा मुंडा स्टेडियम मार्च में प्रो लीग मैचों के अलावा राष्ट्रीय टीम के प्रशिक्षण शिवर तथा घरेलू चौंपियनशिप की मेजबानी कर सकता है। उन्होंने कहा, ''मार्च में यहां प्रो लीग मैच होंगे, घरेलू चौंपियनशिप और राष्ट्रीय टीमों के लिए एशियाई खेल और ओलंपिक की तैयारी होगी। भारतीय महिला टीम ने प्रो लीग (एफआईएच नेशन्स कप जीतने के बाद) के लिए क्वालीफाई कर लिया है और हम यहां अनुभव टूर्नामेंट करा सकते हैं।

खिलाड़ियों में सुरक्षा की भावना के कमी के कारण बड़े टूर्नामेंटों में पिछड़ रहा भारत: उथप्पा

दुबई। भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि राष्ट्रीय टीम में जगह को लेकर खिलाड़ियों में असुरक्षा की भावना बड़े टूर्नामेंटों के अहम मैचों में टीम के लिए घातक साबित हो रही है। भारत ने अपना पिछला विश्व कप 2011(एकदिवसीय) जबकि आईसीसी का अपना आखिरी टूर्नामेंट 2013 में चौंपियंस ट्रॉफी के रूप में जीता था। टीम इसके बाद कई बार एकदिवसीय विश्व कप और टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उथप्पा इन दिनों इंटरनेशनल लीग टी20 में दुबई कैपिटल्स को अपनी सेवाएं दे रहे है। उथप्पा ने पीटीआई–को दिये साक्षात्कार में कहा , '' मुझे लगता है कि खिलाड़ियों में टीम में अपनी जगह को लेकर सुरक्षा की भावना की कमी है। पिछले काफी समय से टीम में लगातार बदलाव हो रहे है।

जब एक खिलाड़ी सुरक्षित महसूस नहीं करता तो वह हमेशा अपनी जगह बचाने की मानसिकता के साथ रहता है। इसके उलट जब वह जगह को लेकर आश्वस्त रहता है तो अपने प्रदर्शन पर बेहतर तरीके से ध्यान दे सकता है।'' भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम (2007) का हिस्सा रहे उथप्पा ने आईपीएल का उदाहरण देते हुए कहा, ''आप आईपीएल को ही देख लीजिये, ज्यादातर बार ऐसी टीमों ने खिताब जीते है जिसने अंतिम एकादश में कम बदलाव किये है। चेन्नई (सुपर किंग्स) और मुंबई (इंडियन्स) की सफलता भी इस बात पर मुहर लगाते है।'' आईपीएल खिताब को जीतने वाली टीमों का तीन बार हिस्सा रहे उथप्पा ने कहा, '' मुझे लगता है कि खिलाड़ियों

में सुरक्षा की भावना देना जरूरी है। पिछले कुछ समय से भारतीय टीम में जो हो रहा उससे खिलाड़ी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे और अहम मौकों पर उनका प्रदर्शन उभर कर नहीं आता।'' भारत लिए 46 एकदिवसीय और 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले उथप्पा ने अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अगले मैच में खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, '' बांग्लादेश टेस्ट श्रृंखला में मैन ऑफ द मैच लेने के बाद कुलदीप को टीम से बाहर करने से बड़े स्तर पर एक अच्छा संदेश गया है। आप कुलदीप को एक बार समझा सकते है लेकिन टीम को क्या संदेश जाता है? इससे युवा खिलाड़ियों में एक गलत संदेश जाता है कि मैन ऑफ द मैच लेने के बाद भी टीम में आपकी जगह पक्की नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''टीम में अंदर क्या हो रहा मुझे इसकी जानकारी नहीं है लेकिन बाहर से मुझे ऐसा ही लगता है। यह जरूर है कि हमारे पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है लेकिन टीम में जगह को लेकर उन्हें भरोसा होना चाहिये।'' विदेशी लीग में खेलने के लिए उथप्पा को भारतीय क्रिकेट से संन्यास लेना पड़ा लेकिन उन्हें इसका कोई मलाल नहीं है। उन्होंने कहा, '' मैं छह महीने में पहली बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने को लेकर रोमांचित हूं। यह अच्छा टूर्नामेंट है, दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ी यहां खेल रहे है।'' उन्होंने कहा, ''यह (विदेशी लीग में खेलने के लिए भारतीय क्रिकेट से संन्यास) तो बीसीसीआई का नियम है , नियम हम नहीं बनाते लेकिन हमें पालन करना होता है। मुझे एक फैसला करना था तो मैंने यही फैसला किया।'' उथप्पा ने इस लीग में अपने शुरुआती मुकाबले में 43 रन की शानदार पारी खेली थी। उनकी इस पारी से दुबई कैपिटल्स ने अबुधाबी नाइट राइडर्स को 73 रन के बड़े अंतर से हराया। उन्होंने अगले टी 20 विश्व कप (2024) की तैयारियों के लिए युवा खिलाड़ियों को कैरेबियाई प्रीमियर लीग जैसे टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति देने की वकालत करते हुए कहा, '' बीसीसीआई विश्व क्रिकेट में इतनी अच्छी स्थिति में है कि वह अपनी जरूरत के हिसाब से भारतीय खिलाड़ियों को बाहर के लीगों में खेलने का मौका दे सकता है। '' उन्होंने कहा, '' अगला टी20 विश्व कप वेस्टइंडीज और अमेरिका में होगा, ऐसे में कम से कम से कमयुवा खिलाड़ियों को कैरेबियाई प्रीमियर लीग में खेलने का मौका दिया जा सकता है। जिससे उन्हें परिस्थितियों को परखने और दबाव की स्थिति से निपटने का कौशल आयेगा।

वायकॉम 18 ने महिला आईपीएल के मीडिया अधिकार 951 करोड़ रूपये में खरीदे

नयी दिल्ली। बीसीसीआई ने सोमवार को घोषणा की कि वायकॉम 18 ने डिजनी स्टार और सोनी को पछाड़कर आगामी महिला आईपीएल के मीडिया अधिकार पांच साल के लिये 951 करोड़ रूपये में खरीदे हैं। टी20 लीग के लिये नीलामी मुंबई में सोमवार को क्रिकेट बोर्ड के मुख्यालय पर आयोजित की गई। वैश्विक अधिकार तीन श्रेणी के हैं जिनमें टीवी, डिजिटल और मिश्रित अधिकार शामिल है। पुरूष आईपीएल में तीनों अधिकार अलग अलग बेचे गए। बीसीसीआई सचिव जय शाह के अनुसार अगले पांच साल में प्रति मैच सात करोड़ 90 हजार रूपये फीस होगी। उन्होंने ट्वीट किया ,'' वायकॉम 18 को महिला आईपीएल के मीडिया अधिकार मिलने पर बधाई। बीसीसीआई और महिला क्रिकेट में विश्वास करने के लिये धन्यवाद। वायकॉम ने 951 करोड़ रूपये में अधिकार खरीदे यानी प्रति मैच सात करोड़ 90 हजार रूपये अगले पांच साल तक। यह महिला क्रिकेट के लिये बड़ी बात है।'' उन्होंने आगे लिखा ,'' समान मैच फीस के बाद महिला आईपीएल के मीडिया अधिकारों के लिये बोली ऐतिहासिक है। यह भारत में महिला क्रिकेट सशक्तिकरण के लिये बड़ा और निर्णायक कदम है। नयी शुरूआत।'' पहला महिला आईपीएल मार्च के पहले सप्ताह में शुरू हो सकता है जिसमें पांच टीमें भाग लेंगी और सारे मैच मुंबई में खेले जायेंगे।

पोखरा एयरपोर्ट पर हुई घातक दुर्घटना के 24 घंटे बाद ATR Aircraft का ब्लैक बॉक्स मिला

काठमांडू। नेपाल विमान दुर्घटना से पूरे देश को हिलाकर रख दिया हैं। लैंड होने से 10 सेकेंड पहले हुए इस हादसे से सभी हैरान है कि आखिर ऐसा क्या हुआ की रनवे पर पहुंचते ही इतना बड़ा हादसा हो गया। नेपाल के विमान में 72 लोग सवार थे अब तक 68 लोगों के शव बरामद कर लिए गये हैं। जिसमें पांच भारतीय शामिल थे। एएनआई को शेर बाथ ठाकुर के बयान के अनुसार, सोमवार को नेपाली बचाव दल ने लापता चार लोगों की तलाश शुरू की और विमान का ब्लैक बॉक्स मिला। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि दुर्घटना की जांच में ब्लैक बॉक्स एक प्रमुख भूमिका निभाएगा। दुर्घटनाग्रस्त विमान का मिला ब्लैक बॉक्स : छोटे हिमालयी देश नेपाल में एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के

बाद सोमवार सुबह लापता लोगों की तलाश फिर से शुरू होने के बाद बचावकर्मियों ने दुर्घटनास्थल से ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया है। काठमांडू हवाई अड्डे के एक अधिकारी शेर बाथ ठाकुर ने कहा, ष्दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स मिल गया है।ष ब्लैक बॉक्स से डेटा – एक कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर – दुर्घटना के कारण का पता लगाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। दो इंजन वाला एटीआर 72 विमान काठमांडू से पर्यटक नगर पोखरा जा रहा था, जब यह एक नए खुले हवाई अड्डे पर उतरने का प्रयास करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने कहा कि विमान में 15 विदेशी नागरिकों सहित 68 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, बचावकर्मियों ने अभी तक दुर्घटना के मलबे से 68 शव निकाले हैं, जबकि बाकी चार की तलाश फिर से शुरू हो गई है। दुर्गम इलाके से बचाव के प्रयास बाधित हुए, और अंततः रविवार की रात को बंद करना पड़ा। विदेशियों में पांच भारतीय, चार रूसी, दो दक्षिण कोरियाई और आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और फ्रांस के एक–एक नागरिक शामिल हैं। पांच भारतीयों में से चार उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के रहने वाले थे और 13 जनवरी को छुट्टी पर नेपाल गए थे।

पोखरा में प्रचंड मिस्टेक, क्या है एयरपोर्ट का चीनी कनेक्शन, 23 सालों में नेपाल ने देखे 17 विमान हादसे

काठमांडू। नेपाल के पोखरा में प्लेन क्रैश को लेकर कुछ ऐसी बातें सामने आई हैं जिनसे हादसे की वजहों तक पहुंचा जा सकता है। जिस वक्त ये हादसा हुआ था उस समय मौसम साफ था। प्लेन की लैडिंग को लेकर एटीसी और पायलट के बीच कोई कन्फ्यूंजन था। जिस तरह आखिरी वक्त में पायलट और एटीसी के बीच बातचीत हुई थी। उसको लेकर हादसे को लेकर कुछ संकेत भी मिल रहे हैं। नेपाल की सिविस एविएशन ऑथरिटी के अनुसार हादसे के लिए मौसम जिम्मेदार नहीं था, क्योंकि रविवार को मौसम साफ था। विमान हादसा खराब मौसम नहीं बल्कि तकनीकि खराबी की वजह से हुआ है। विमान के पायलट ने एटीसी से लैंडिंग के लिए परमीशन भी ले ली थी। पोखरा एटीसी की ओर से लैंडिंग के लिए ओके भी कह दिया गया था। नेपाल की सिविस एविएशन ऑथरिटी का कहना है कि लैंडिंग

से ठीक पहले विमान में आग की लपटें दिखाई दी थी। चीन की मदद से बना था एयरपोर्ट : नेपाल का एटीआर 72 ट्विन इंजन टर्बो प्रॉप प्लेन हैं। इसे फ्रांस और इटली की कंपनी ने बनाया है। 72 यात्री ले जाने में सक्षम टीआर 72 की अधिकतम स्पीड 309 मील प्रति घंटा है। इसके अलावा सवाल पोखरा एयरपोर्ट को लेकर भी पूछे जा रहे हैं। दरअसल, जिस पोखरा एयरपोर्ट के पास प्लेन लैंडिंग से पहले क्रैश हुआ। उस एयरपोर्ट का निर्माण चीन ने किया है। एयरपोर्ट का उद्घाटन हाल ही में पुष्प कमल दहल प्रचंड ने किया था। ये महत्वपूर्ण परियोजना चीन की महत्वकांक्षी बेल्ड एंड रोड इनिसिएटिव सहयोग (बीआरआई) का हिस्सा थी। नेपाल में हाल के दिन में हुए कुछ प्लेन हादसेः देश में पिछली बड़ी विमान दुर्घटना पिछले साल 29 मई को हुई थी, जब तारा एयर का एक विमान पर्वतीय मुस्तांग जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें एक भारतीय परिवार के चार सदस्यों समेत इसमें सवार सभी 22 लोगों की मौत हो गई थी। 2016 में इसी एयरलाइन का एक विमान इसी मार्ग पर उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सभी 23 लोगों की मौत हो गई थी। मार्च 2018 में, त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना में 51 लोगों की मौत हो गई। सितंबर 2012 में त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करते समय सीता एयर का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 19 लोगों की मौत हो गई थी।

पोखरा से जोमसोम उड़ान भरते समय एक विमान 14 मई 2012 को जोमसोम हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमे 15 लोगों की मौत हो गई थी।

उत्तरी चीन में रासायनिक संयंत्र में विस्फोट, दो की मौत, 12 लापता और 34 घायल

पूर्वोत्तर चीन में एक रासायनिक संयंत्र में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 12 लापता हो गए। राजधानी बीजिंग के पूर्व में लियाओनिंग प्रांत के पंजिन शहर के बाहरी इलाके में हुए विस्फोट में 34 अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय सरकार के समाचार विज्ञप्ति में रासायनिक प्रसंस्करण मशीनरी, पाइप और भंडारण कंटेनरों के परिसर से आग की लपटों और घने काले धुएं की तस्वीरें दिखाई

गईं। शहर के उपनगरों में पानशान काउंटी की सरकार ने एक समाचार विज्ञप्ति में कहा कि दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है और स्थानीय पर्यावरण विभाग क्षेत्र में वायु गुणवत्ता पर प्रभाव की निगरानी कर रहा है। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले लोगों ने कहा कि उन्हें विस्फोट का झटका महसूस हुआ, लेकिन नुकसान संयंत्र से आगे नहीं बढ़ा। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला चीन नियमित रूप से घातक औद्योगिक दुर्घटनाओं का शिकार होता है। उत्तरी बंदरगाह शहर टियांजिन में एक रासायनिक गोदाम में 2015 में हुए विस्फोट के बाद से केंद्र सरकार ने मजबूत सुरक्षा उपायों का वादा किया था। इस दुर्घटना में 173 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश अग्निशामक और पुलिस अधिकारी थे। उस मामले में, कई स्थानीय अधिकारियों पर सुरक्षा उल्लंघनों की उपेक्षा करने के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया था।

तालिबान राज में दहशत, अफगानिस्तान की पूर्व महिला सांसद मुरसल नबीजादा की गोली मारकर हत्या

अफगानिस्तान की पूर्व महिला सांसद मुर्सल नबीजादा और उनके एक अंगरक्षक की उनके काबुल स्थित आवास पर गोली

मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने कहा कि अज्ञात हमलावरों ने शनिवार को अफगानिस्तान के पूर्व सांसद मुर्सल नबीजादा और उनके एक अंगरक्षक की हत्या को अंजाम दिया। मुर्सल नबीजादा उन कुछ महिला सांसदों में से थीं, जो अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता पर कब्जा करने के बाद काबुल में रुकी थीं। यह पहली बार है जब पिछले प्रशासन के किसी सांसद को अधिग्रहण के बाद से शहर में मार दिया गया है। स्थानीय पुलिस प्रमुख मोलवी हमीदुल्ला खालिद ने एएफपी के हवाले से कहा कि नबीजादा और उनके गार्ड की शनिवार तड़के करीब तीन बजे उसी कमरे में गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसने कहा कि उसका भाई और एक दूसरा सुरक्षाकर्मी घायल हो गया। तीसरा सुरक्षाकर्मी रुपये और जेवरात लेकर मौके से फरार हो गया। पूर्व विधायक का उनके घर की पहली मंजिल पर निधन हो गया, जिसे वह अपने कार्यालय के रूप में इस्तेमाल करती थीं। खालिद ने कहा कि जांच चल रही है। उन्होंने संभावित उद्देश्यों के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जादरान ने कहा, नबीजादा और उनके एक अंगरक्षक की उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। सुरक्षा बलों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।ष उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक का एक भाई भी हमले में घायल हो गया था, जो शनिवार और रविवार की रात के दौरान हुआ था। पूर्व सांसद मरियम सोलेमानखिल ने ट्विटर पर कहा कि नबीजादा अफगानिस्तान के लिए निडर चौंपियन थे।

एक साल में चार करोड़ से भी सही नहीं हो पाया भागलपुर पुल

भागलपुर। पिछले एक साल से सरयू नदी पर बने भागलपुर पुल की मरम्मत की जा रही है, लेकिन इसे भारी वाहनों के लिए नहीं खोला जा सका है। कई जनपदों को जोड़ने वाले इस पुल को दुरुस्त करने का बजट चार करोड़ रुपये है। अब सेतु निगम का कहना है कि दोबारा से इस्टीमेट बनाकर शासन को भेजा जाएगा। भारी वाहनों का आवागमन शुरू नहीं होने से क्षेत्रीय लोगों में भारी नाराजगी है। बिहार और पूर्वांचल को मध्य भारत से जोड़ने वाले सरयू नदी पर बने भागलपुर पुल का शुभारंभ दिसंबर 2001 में तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने किया था। उद्घाटन के दस साल बाद पुल के ज्वाइंट में दरारें आ गईं। सेतु निगम ने मरम्मत कराई, लेकिन तीन साल बाद पुल दोबारा से क्षतिग्रस्त हो गया और महीनों तक आवागमन बंद करके फिर मरम्मत की गई। सात साल बाद साल 2021 में पुल फिर क्षतिग्रस्त हो गया। सेतु निगम के अधिकारियों ने चार करोड़ रुपये की लागत से मुंबई की कंपनी से मरम्मत कार्य शुरू कराया। आठ माह बाद भारी वाहनों का आवागमन शुरू हुआ, लेकिन कुछ दिन बाद ही पुल के छठवें और सातवें पाये की ज्वाइंट की दरार एक फीट तक बढ़ गई। इसके बाद पुल से वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया। फिर पुल विशेषज्ञ बीके रैना को बुलाया गया। रैना ने भारी वाहनों का आवागमन बंद कर छोटे वाहनों का आवागमन शुरू कराया। तभी से भारी वाहनों का आवागमन बंद है। इस वजह से क्षेत्र की जनता परेशान है।

सब जूनियर बालक फुटबॉल की 10 सदस्यीय टीम चुनी गई

देवरिया। 19 से 26 जनवरी तक मऊ में आयोजित होने वाली सब जूनियर बालक फुटबॉल स्टेट प्रतियोगिता में प्रतिभागिता के लिए 10 सदस्यीय जिला टीम का चयन ट्रायल के बाद किया गया। चयन प्रक्रिया में कुल 15 खिलाड़ी शामिल हुए। रवींद्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम में सब जूनियर स्टेट बालक फुटबॉल के लिए जिला ट्रायल का आयोजन विभागीय प्रशिक्षक रवि कुमार शर्मा, फुटबॉल के सीनियर खिलाड़ी नीरज श्रीवास्तव की देखरेख में हुआ। प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों की फिटनेस व गेम स्किल जांचने के बाद फाइनल जनपद टीम की घोषणा की। क्रीड़ाधिकारी राजनारायण प्रसाद ने बताया कि मंडल ट्रायल जो 19 जनवरी को गोरखपुर रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा। इसके लिए जिले से संगम सिंह, अमर चौरसिया, नमन शुक्ला, रितेश सोनकर, इमरान अंसारी, वसीम अली, मोहित गुप्ता, प्रतीक मद्धेशिया, अभिषेक प्रताप सिंह, विश्वजीत पटेल का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ी 19 को मंडल ट्रायल में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि गोरखपुर मंडल टीम का मैच 23 जनवरी को मऊ में होगा। इसलिए मंडल की फाइनल टीम 19 जनवरी को ट्रायल के बाद ही घोषित की जाएगी और टीम 22 जनवरी को मऊ पहुंचेगी।

आस्था व उल्लास के साथ मनाई गई मकर संक्रांति

कुशीनगर। एक माह का खरमास बीतने के बाद रविवार को जनपद के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा और परंपरागत तरीके से मकर संक्राति का पर्व मनाया गया। भगवान सूर्य के उत्तरायण होने के साथ ही सुबह पुण्यकाल में बड़ी तादाद में लोगों ने स्नान, दान के साथ उल्लासपूर्ण माहौल में मकर संक्रांति का पर्व मनाया। स्नान के बाद लोगों ने भगवान सूर्य को अर्घ्यय देकर सुख–समृद्धि के लिए विधिवत पूजा–पाठ करके ब्राह्मणों को यथाशक्ति दान दिया। तिल और चावल आदि की बनी लाई का सेवन किया। लाखों की संख्या मे लोगो ने नारायणी व बासी नदी मे स्नान कर दान–पुण्य किया। इसके बिघरों में खिचड़ी बनाई गई। बच्चों और युवाओं में पतंग बाजी को लेकर ज्यादा उत्सुकता देखी गई। इस मौके पर जनपद के विभिन्न गांव में जहां मेला लगा वहीं कसया के रामजानकी मंदिर में खिचड़ी भोग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सूर्य मकर राशि में प्रवेश करने के बाद कड़ाके की ठंड मे बड़ी संख्या में श्रद्धालु नारायणी नदी, बासी घाट, शिवाघाट समेत दर्जन भर घाटों पर सूर्योदय से पहले पहुंचने लगे। यहां सुरक्षा के भी बंदोबस्त किए गए था श्रद्धालुओं ने तड़के स्नान किया और लोटे में जल लेकर उसमें अक्षत और फूल डालकर सूर्य देव को अर्पित किए। यहां बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी स्नान करने पहुंचे थे।उसके बाद चावल, मक्का, बाजरा, चिउड़ा से बनी लाई और तिल से निर्मित लड्डू का सेवन किया। शहर में खिचड़ी भोज के बड़े आयोजनों के साथ चौराहों पर भी खिचड़ी व तहरी की व्यवस्था की गई। पडरौना नगर सहित जनपद के विभिन्न हिस्सों में पतंगबाजी भी खूब हुई। बच्चों और युवकों ने बाजार से पतंग, मांझा, धागे और चरखी खरीदी। उसके बाद छतों और मैदानों में जाकर पतंग उड़ाई। पूरे दिन पतंगबाजी होती रही।

जरुरतमंदों मे किया गया कंबल वितरित

कुशीनगर। मकर संक्रांति के अवसर पर ठंड के मद्देनजर वरिष्ठ पत्रकार संयोग श्रीवास्तव ने अपने गाँव एवं आस–पास के रहने वाले गरीब व जरुरतमंद लोगो मे कंबल वितरित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह जरुरी नहीं कि हम सैकड़ों एवं हजारों लोगों की जब मदद करेगें तभी मदद कहलायेगा। जिसकी जितनी क्षमता है। आप उस क्षमता के अनुसार भी अपने आसपास के लोगो की मदद कर पुण्य के भागीदार बन सकते है। पत्रकार संयोग ने कहा कि यह संस्कार उन्होंने अपने पिता स्व डा. ब्रजेश चंद से सीखा है जो जरुरतमंद व निराश्रित लोगो की सहयोग व सेवा करने से कभी परहेज नही करते थे। पत्रकार अशोक तिवारी ने कहा कि सरकार भी गरीबों के ठंढ से बचाव के लिए प्रयासरत है। इसी क्रम में संयोग श्रीवास्तव द्वारा विगत कई वर्षों से अपने सामर्थ्य के अनुसार इस परंपरा को जीवित रखा गया है। जो हम सब के लिए अनुकरणीय है। इस दौरान पत्रकार राजेश यादव, किरेश पांडेय, शोएब खान ने भी इस कार्य की सराहना की। साथ ही मकर संक्रान्ति के अवसर पर पत्रकार साथियों को डायरी व कलम देकर उनको सम्मानित किया गया। इस दौरान पं अशोक मणि त्रिपाठी, मुसाहेब मियां, अवध खरवार, गोसाईं बाबा, बलिस्टर, राकेश श्रीवास्तव, संतोष पांडेय, ब्यास यादव, राकेश श्रीवास्तव, श्याम सुंदर, ओम आदि उपस्थित रहे।

जरुरतमंदों मे व्यापारियों ने किया कंबल वितरित

कुशीनगर। मकर संक्रांति के अवसर पर ठंड के मद्देनजर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की तरह से जिला मुख्यालय स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय में दूरदराज से आए मरीज के परिजनों में गरीब और जरुरतमंद लोगो मे कंबल वितरित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह जरुरी नहीं कि हम सैकड़ों एवं हजारों लोगों की जब मदद करेगें तभी मदद कहलायेगा। जिसकी जितनी क्षमता है आप उस क्षमता के अनुसार भी अपने पास से लोगो की मदद कर पुण्य के भागीदार बन सकते है। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश मंत्री और जिलाध्यक्ष सचिन चौरसिया कहा कि सरकार भी गरीबों के ठंढ से बचाव के लिए प्रयासरत है। ऐसे में व्यापारी भी गरीब तबके लोगों को ठंड से बचाव के लिए उन्हें जरूरत की के हिसाब से ठंड से बचाने के लिए कंबल मुहैया करा जा रहा है। जिला महामंत्री आशीष खेतान, युवा जिलाध्यक्ष विपिन जायसवाल, नगर अध्यक्ष अक्षय स्वर्णकार, जिला उपाध्यक्ष सुधीर जायसवाल, जिला कोषाध्यक्ष अनुराग खैतान, संगठन मंत्री अभय अग्रवाल, युवा नगर उपाध्यक्ष शिव मोहन जायसवाल, बिल्लू दीपक मोदनवाल सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सोना देने का झांसा देकर लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

- भोले भाले लोगों को झांसे में लेकर सस्ते में सोना देने के बहाने धन उगाही करता था गिरोह
- पुलिस का फर्जी पहचान पत्र दिखाकर जालसाजी करता था गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

महराजगंज। जिले के भोले भाले लोगों को अपने झांसे में लेकर उन्हें सस्ता सोना देने के बहाने पैसा लूटने और फर्जी पुलिस बनकर कार्रवाई करने के नाम पर धमकाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। नौतनवा थाना, स्वाट टीम व एसओजी की संयुक्त टीम ने एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। साथ ही गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं चार आरोपित फरार हैं। सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस अधीक्षक डा. कौस्तुभ ने सोमवार को इस मामले में जानकारी देते हुए बताया कि लोगों से हो रही ठगी को गम्भीरता से लेते हुए आपरेशन बज्र के तहत एक टीम गठित कर जांच में लगाया गया था। उन्होंने कहा कि पीड़ित सुनील पाण्डेय पुत्र सन्तोष पाण्डेय निवासी ग्राम बांसपार पोस्ट पिपरौली, थाना गीडा, जिला गोरखपुर व उनके साथी विकास सिंह पुत्र विनोद सिंह निवासी मल्हिपुर, थाना गीडा, जनपद गोरखपुर से आरोपित बबलू वर्मा निवासी गोरखपुर ने अपने साथियों संजय चौरसिया, अब्दुल रउफ व प्रमोद सिंह से मिलाया तथा जान पहचान कराया। उसके बाद बबलू द्वारा बताया गया कि उसके साथियों ने नदी मे खुदाई के दौरान काफी मात्रा में सोना पाया है। जिसको काफी कम कीमत में आपको दे देंगे। पीड़ित उनके झांसे में आकर ढाई लाख रुपये सोना खरीदने हेतु चण्डीथान, थाना नौतनवां आ गये। चण्डीथान के पूरब स्थित भट्ठे पर बबूल, संजय चौरसिया, अब्दुल रउफ तथा प्रमोद सिंह ने सुनील व उनके साथी से लाये हुए ढाई लाख रुपये ले लिये तथा दोनो के मोबाइल फोन को भी ले लिये। योजनानुसार रूपये लेते हुए ही गैंग

के अन्य सदस्य अशरफ, हरिकेश्वर सिंह उर्फ मन्टू सिंह, श्रवण उपाध्याय उर्फ पप्पी मौके पर आ गये तथा योजनानुसार कूटरचित पुलिस का पहचान पत्र दिखाते हुए पुलिस बनकर धमकाने लगे। अपने गिरोह के पैसा लिये हुए लोगों से मारपीट तथा पकड़ने का स्वांग रचने लगे। गिरोह के लोग अपने को छुड़ाकर खेतों की तरफ भाग गये। जिसके बाद सुनील उनके साथी भी वहां से हटकर अपने घर गोरखपुर चले गये। घर जाने के बाद इन लोगों को एहसास हुआ कि बबलू ने अपने गिरोह के अन्य साथियों के साथ मिलकर हम लोगों के रुपये हड़प लिये हैं। वह उन लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद मुकदमा दर्ज कर आरोपितों को खिलाफ कार्रवाई की गई। जिसमें बबलू पुत्र नथुनी सोनार, धोवल मुसहरी थाना विजयीपुर जिला गोपालगंज, संजय कुमार चौरसिया पुत्र मोलहु निवासी बकइनिया हरैया थाना कोल्हुई जनपद महराजगंज व असरफ पुत्र अजीज निवासी बैरवा बनकटवा थाना नौतनवां जनपद महराजगंज को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके पास से 43 हजार रुपये व एक अदद कूटरचित पुलिस पहचान पत्र बरामद हुआ। वहीं चार नामजद आरोपित अब्दुल रउफ उर्फ नेहाल पुत्र मो. इस्लाम निवासी बैरवा बनकटवा थाना नौतनवां जनपद महराजगंज, प्रमोद सिंह पुत्र राम प्रताप सिंह निवासी बकैनिया हरैया थाना कोल्हुई जनपद महराजगंज, हरिकेश्वर सिंह उर्फ मिन्टू सिंह पुत्र विजेन्द्र सिंह निवासी वार्ड नं0 14 गौतम बुद्ध नगर थाना नौतनवां जनपद महराजगंज, श्रवण उपाध्याय उर्फ पप्पी निवासी गुलरिहा थाना कोल्हुई जनपद महराजगंज फरार है। आरोपितों को गिरफ्तार करने वाली टीम में सत्य प्रकाश सिंह थानाध्यक्ष नौतनवां, निरीक्षक रामकृपाल सिंह एसओजी प्रभारी, निरीक्षक संजय दूबे

बार और बेंच एक रथ के दो पहिया है: देवेश त्रिपाठी

सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

फरेंदा,महराजगंज। अधिवक्ता की अहम भूमिका होती है कि न्यायिक कार्य बात चीत करके निपटावें। उक्त बातें सिविल बार एसोसिएशन फरेंदा द्वारा आयोजित शपथग्रहण समारोह में सिविल कोर्ट फरेंदा के सिविल जज देवेश त्रिपाठी ने कही। उन्होंने कहा छोटे अधिवक्ता तारीख लेकर न जाए उनके बड़े वकील उन्हें आगे आने की प्रेरणा दे और न्यायालय में अपना पक्ष रखें। अंत में उन्होंने कहा कि अब वादकारियों को निराश नहीं जाना पड़ेगा न्यायालय से न्याय मिलेगा। बतौर विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी फरेंदा मदन मोहन वर्मा ने कहा कि जो जीवन दर्द दे सह ले। पुलिस क्षेत्राधिकारी फरेंदा कोमल प्रसाद मिश्र ने कहा कि हम आपके सहयोग में चौबीस घंटे तैयार है। सब रजिस्ट्रार फरेंदा एस. के. श्रीवास्तव ने कहा कि अधिवक्ता का योगदान देश सेवा से लेकर न्यायिक कार्य में महत्वपूर्ण होता है। सिविल वार एसोसिएशन महराजगंज के अध्यक्ष हमीदुल्ला खान ने कहा कि न्याय पालिका में अमीर गरीब का फर्क नहीं लाया जाता है। महामंत्री धर्मेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की हर संभव मदद हमारी कमेटी करेगी। पूर्व अध्यक्ष सुधेश मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि सिविल वार एसोसिएशन महराजगंज की कमेटी हमारे अधिकार में इजाफा करें। आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में रेवेन्यू वार एसोसिएशन फरेंदा के अध्यक्ष सरोज मिश्र, महामंत्री रविन्द्र पासवान, महामंत्री सुरेन्द्र पाण्डेय, डीएन चतुर्वेदी, अनुरूद्ध श्रीवास्तव, ओम प्रकाश पाण्डेय, रामसहाय गुप्ता, स्कन्द श्रीवास्तव प्रदीप श्रीवास्तव, मुहम्मद हई, श्याम नारायण सिंह, हरिओम श्रीवास्तव, वधरुव मिश्र, सहित अन्य अधिवक्ताओं ने भी संबोधित किया। इस दौरान राम सिंह, निसार अहमद, एस पी दूबे, उमेश भट्ट, श्रीपति, प्रदीप, रामरूप सांवरकर, रामनारायन शुक्ल, परमात्मा सिंह, व अष्टभुजा वर्मा समेत अनेकानेक सम्मानित अधिवक्ता मौजूद रहे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद चंद मणि त्रिपाठी ने दिलाई और कार्यक्रम का संचालन सत्येन्द्र सिंह व शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने किया।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर अखिल भारतीय प्रधान संघ ने सौंपा ज्ञापन

एप के माध्यम से मनरेगा मजदूरों के हाजिरी लगाने के आदेश को सरकार से वापस कराने की कर रहे मांग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

फरेंदा,महराजगंज। मनरेगा जैसी देश की सबसे अच्छी योजना जहां मजदूरों को रोजगार देकर उनके पलायन को रोकर रोजगार परक बना रही है। वही मनरेगा से सम्बन्धित नया शासनादेश प्रधानों के लिए समस्या उभर कर आ रही है। जिससे पूरे उत्तर प्रदेश में अखिल भारतीय प्रधान संघ आन्दोलन पर उतारू है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महराजगंज जिले के फरेंदा ब्लॉक मुख्यालय पर अखिल भारतीय प्रधान संघ के अध्यक्ष राम प्रताप यादव के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों ने पांच सूत्रीय मांगो को लेकर खण्ड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौप कर शासनादेश को वापस लेने की मांग किया है। प्रधान संघ ने अपने मांग पत्र में लिखा है कि एप से मनरेगा मजदूरों का हाजिरी लेने के शासनादेश को वापस लिया जाय, मनरेगा से हुए सामग्री भुगतान वर्षो से लम्बित है जिसे तत्काल भुगतान कराया जाय तथा सामग्री का पैसा ब्लॉकवार भेजा जाय, ग्रामप्रधान, सहायक सचिव डाटा इंट्री ऑपरेटर, शौचालय केयर टेकर के मानदेय के लिए अलग मद से किया जाय साहित पांच सूत्रीय ज्ञापन सौप कर त्वरित कार्यवाही की मांग किए है। इस मौके पर वीरेंद्र कुमार, रामजतन गुप्ता, चरण सिंह चौधरी, लालदेव यादव, साधुशरण, मिथलेश, सत्येन्द्र कुमार चौधरी, महेन्द्र सहित अन्य तमाम प्रधान उपस्थित रहे।

बृजनंदन मोदनवाल व निधि मौर्या ने किया जनपद का नाम ऊचा

चयन उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी,सिद्धार्थगनर। चिकित्साधिकारी के पद पर बांसी के बृजनंदन मोदनवाल व निधि मौर्या का चयन उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा के माध्यम से होने पर उनके शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामना दिया है। बृजनंदन की प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर बांसी से और हाई स्कूल, इंटरमीडिएट परीक्षा न्यू पब्लिक इंटरमीडिएट बांसी से संपन्न हुआ था। जबकि निधि मौर्या ने हाईस्कूल और इण्टर कि शिक्षा बंसी नगर के ईटेन स्कूल से प्राप्त किया। उसके बाद कानपुर से कोचिग करने के बाद बरेली से मेडिकल कि पढ़ाई पूरी किया। उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई लखनऊ के राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज टुड़ियागंज से किया था। बृजनंदन मोदनवाल कहना है उनके मेडिकल ऑफिसर बनने से उनके बाबा स्वर्गीय जवाहर लाल मोदनवाल और दादी मां का सपना पूरा हुआ, उनके माता पिता गोपाल मोदनवाल वह गुरुजनों के आशीर्वाद से वह प्रथम प्रयास में ही मेडिकल ऑफिसर बनने में सफल हुए। वही निधि ने अपनी इस सफलता के लिए अपने माता पिता आशीर्वाद और हर समय मिले उत्साह के कारण प्राप्त हुआ। नगर के दो होनहार बच्चों कि इस सफलता पर क्षेत्र के संभ्रांत जनों ने उन्हें शुभकामना दिया है।

स्वामी विवेकानंद जन संदेश यात्रा का जोल्हिनियाँ एवं सुकरौली नगर में हुआ भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सुकरौली बाजार,कुशीनगर। केंद्र सरकार के सास्कृतिक मंत्रालय द्वारा संचालित स्वामी विवेकानंद जनसंदेश शोभायात्रा कन्याकुमारी, उत्तर प्रदेश

के बैनर तले कुशीनगर जनपद के सीमा नगर पंचायत सुकरौली बाजार के जोल्हिनिया चौराहे पर पहुंचने पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, भाजपा, हिन्दू संगठनो के हजारों लोगों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कुशीनगर के जिला संघचालक डा० चन्द्रशेखर सिंह, भारत सरकार के पूर्व गृह राज्यमंत्री एवं भाजपा के बरिष्ठ नेता आरपीएन सिंह के नेतृत्व फूल मालाओं के जबरदस्त हुआ भव्य स्वागत सन्देश शोभायात्रा आज 15 जनवरी 2023 रविवार को पूरे सुकरौली नगर का भ्रमण करते हुए पिपरा उर्फ तितिला नगर पंचायत की सीमा जगह जगह पूष्पवर्षा कर गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत करने वालो मे प्रमुख रूप से हिन्दू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष राजेश पाठक, सुकरौली के पूर्व ग्राम प्रधान एवं कन्हैयालाल सरस्वती शिशु मन्दिर एवं विद्या मन्दिर पिपरपाती सुकरौली के प्रबन्धक एवं पत्रकार अशोक कुमार, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीभागवत चौहान, स्वागत समिति के सह प्रभारी डा० सुदामा गिरि, प्रभारी केशवपति त्रिपाठी, निलेश त्रिपाठी, भाजपा मंडल अध्यक्ष ज्ञान विक्रम सिह, कान्हा श्रीवास्तव, संजीव जायसवाल, पन्नेलाल यादव, देवेन्द्र प्रताप सिंह, बिकास तिवारी, चेतन यादव, घनश्याम चौहान, मदन राजभर, रामनक्षत्र सिंह, सहाबुद्धीन अंसारी, सुवोध भार्गव, ओमप्रकाश सिंह, अवधेश सिंह, राजेन्द्र कुमार उर्फ राजा बाबू, जयश्रीराम, जितेन्द्र कुमार, अमन त्रिपाठी, अमन सिंह, राहुल सिह, रविश सिंह, धमेन्द्र गुप्ता, सुरेश गुप्ता, महेश कुमार गुप्त, विहिप नेता रामबचन सिंह, नमो सेना के जिला अध्यक्ष मनीष कुमार रुंगटा, रितेश नाथानी, सुधीर कुमार रूंगटा, अभिषेक शर्मा, बरुण जायसवाल, मुन्ना पाण्डेय, आदि हजारों लोगों ने अपनी सहभागिता किया।

कंडोम बॉक्स अब कहलायेगा परिवार नियोजन किट

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उन्नाव। अगर अनचाहा गर्भ ठहर गया है और आकस्मिक गर्भनिरोधक गोली (ईजी पिल्स) चाहिए। गर्भवती होने या न होने की पुष्टि करना चाह रही हैं और प्रेग्नेंसी टेस्ट किट(पीटीके) की आवश्यकता है तो परेशान न हों द्य अब यह सभी चीजें सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर आसानी से मिल जाएंगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सत्यप्रकाश ने बताया कि इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेश द्वारा पत्र मिला है। परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत अब स्वास्थ्य केंद्रों पर लगाए गए कंडोम बॉक्स में ही प्रेग्नेंसी टेस्ट किटऔर गर्भनिरोधक गोलीभी उपलब्ध होगी। इसके साथ ही

अबकंडोम बॉक्स परिवार नियोजन किट कहा जाएगा। असुरक्षित यौन संबंध बनाने के 72 घंटे के अंदर एक गर्भनिरोधक गोलीका सेवन करने से गर्भ नहीं ठहरता है। यह गोली बाजार में 80 से 100 रुपये की मिलती है लेकिन कंडोम बॉक्स से आसानी से कोई भी ले सकता है।

■ जल्द ही बदल जाएगा कंडोम बॉक्स का स्वरूप

■ परिवार नियोजन किट में अब होंगी अन्य सुविधाएं

कंडोम बॉक्स में चार खाने होंगे जिसमें दो में कंडोम और एक–एक खाने में प्रेग्नेंसी टेस्ट किट और गर्भनिरोधक गोलीरखी जाएगी तथा यह सामने से पारदर्शी होगा ताकि आसानी से लोगों को पता चल जाए कि कंडोम, गर्भनिरोधक गोली और प्रेग्नेंसी टेस्ट किट बॉक्स के किस खाने में रखी है। परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. अरविंद कुमार ने बताया कि यह बॉक्स जिला चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय सहित सभी 16 समुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी), 48 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और 403 स्वास्थ्य उप केंद्रों पर आगामी माह में स्थापित करा दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि जिला अस्पतालों में पांच से छह, सीएचसी पर तीन से चार, पीएचसी पर एक से दो और उपकेंद्रों पर एक बॉक्स लगाया जाएगा।

तमंचा,कारतूस सहित एक जिला बदर गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बाराबंकी। थाना जैदपुर पुलिस द्वारा अभियुक्त रहमुद्दीन उर्फ लैमुद्दीन पुत्र नजीमुद्दीन निवासी बलछत थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी जिसे जिला मजिस्ट्रेट बाराबंकी के आदेश के तहत 15.दिसंबर 2022 से छः माह हेतु जिला बदर का आदेश दिया गया था। अभियुक्त द्वारा उक्त आदेश का उल्लघंन करने पर थाना जैदपुर पुलिस द्वारा 16 जनवरी 2023 को नगर पुलिया ग्राम बलछत से गिरफ्तार कर उ0प्र0 गुण्डा नियत्रंण अधिनियम पंजीकृत कर जेल भेजा गया। अभियुक्त के कब्जे से एक तमंचा मय एक अदद जिन्दा कारतूस .12 बोर बरामद कर थाना जैदपुर पर आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना जैदपुर में आपराधिक मुकदमें पंजीकृत है।

बदहाल सड़को के निर्माण कराने की ग्रामीणों ने उठाई मांग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शेरगढ़। बिकास खण्ड शेरगढ़ के ग्राम पंचायत टांडा में

सड़को की बद से बदतर हालत ग्रामीण इस्लाम अहमद ने बतलाया की मेरे मकान से कैजूम अहमद के मकान तक सड़क 80 मीटर की है यह पूरी सड़क काफी वर्षों से बदहाल है,व इसके आलावा कई सड़के टूटी फूटी हैं यहाँ के लोग खटारा सड़कों से तंग आ गए हैं, इस सड़क का कई सालों से कोई निर्माण नहीं हुआ है और ना ही नालियों की सफाई व्यवस्था हुई है इतना ही नहीं यहाँ का मुख्य मार्ग भी पूरी तरह ध्वज हो गया है, अधिक तर यहां की सड़के कींचड़ में तब्दील हैं बर्षा होने पर यह सड़के तालाब का रूप ले लेती है लोग गंदे पानी में हो कर रास्ता निकलते हैं इसकी बजह से लोगों के पैरों में खुजली खरबे भी हो जाते हैं काफी समय से ग्रामीण पुरानी टूटी फूटी सड़कों के निर्माण की मांग कर रहे हैं लेकिन ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या को कोई सुनने के लिय तैयार नहीं आखिर कार ग्राम पंचायत प्रसासन क्यों खामोश बैठा है ,सफाई कर्मी भी फर्मा रहे आराम ग्रामीण टूटे फूटे मार्गों से काफी आहत में हैं मार्गो पर अधिक कींचड़ होने की बजह से व सफाई व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश है, आखिर कार कब तक ग्रामीण इन खटारा सड़को को झेलते रहेंगे ग्रामीण फहीम अहमद. अखघ्लाक अहमद. गुलफान. आलिम. तफसीर अहमद मोहम्मद ताहिर आदि, लोगों का कहना है की यहाँ की खटारा सड़कों का निर्माण कराया जाए।

अरविंद सिंह गोप ने जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

रामनगर,बाराबंकी। गरीबों मजलूमो व जरूरतमंद लोगों की मदद करना सबसे बड़ा माननीय धर्म है। यह बात पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप ने सपा कार्यालय रामनगर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंह की पुण्य स्मृति में पूर्व ब्लाक प्रमुख राजन सिंह व भूपेंद्र सिंह बबलू के संयोजन में आयोजित कंबल वितरण समारोह में कही। गोप ने कहा कि सपा ही एक ऐसी पार्टी है जो जाति बिरादरी व मजहब से अलग हटकर सभी वर्गों के लोगों के हितों के लिए काम करती है। सपा मुखिया अखिलेश यादव का स्पष्ट निर्देश है कि कोई भी गरीब व्यक्ति भोजन व वस्त्र से वंचित न रह जाए इसलिए उन्हीं के निर्देशन में यह कार्य किया जा रहा है। कार्यकर्ता अभी से ही पूरी तरह 2024 के चुनाव की तैयारी में युद्ध स्तर पर जुट जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति किसी तरह से परेशान है या किसी चीज की आवश्यकता है तो वह मेरे पास बेझिझक आए उसकी पूरी मदद होगी। मुख्य अतिथि अरविंद सिंह गोप पूर्व विधायक राम गोपाल रावत पूर्व प्रमुख राजन सिंह तथा पूर्व सपा जिलाध्यक्ष डॉ0 कुलदीप सिंह ने लगभग तीन सैकड़ा से अधिक जरूरतमंद गरीब लोगों में कंबल वितरण किए। कंबल पाकर गरीब वृद्ध व महिलाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस मौके पर सपा नेता नसीम कीर्ति हसमत अली गुड्डू राजेश मौर्य सत्यदेव शुक्ला महमूद सिद्दीकी सपा विधानसभा अध्यक्ष अतीक चौधरी सपा जिला सचिव शीतला सिंह पारस चौहान अनिल यादव विवेक सिंह प्रधान सभाजीत सिंह मो0 असलम अवधेश यादव गौरी कनौजिया छोटे लाल यादव गणेश यादव मनोज यादव सुधाकर सिंह जय नारायण अवस्थी तुफैल अहमद रामविलास रावत चट्टान यादव मो0 कलीम बृजलाल सरोज प्रभात शुक्ला नाजिया बानो सहित तमाम क्षेत्र के संभ्रांत जन मौजूद रहे।

विशेष लोक अदालत के आयोजन को लेकर जनपद न्यायाधीश ने बुलाई बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं माननीय उच्च

न्यायालय के निर्देशानुसार माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र के कुशल निर्देशन में सोमवार को दोपहर 1.30 बजे जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र के विश्राम कक्ष में एक बैठक आहूत की गयी। जिसमें न्यायिक अधिकारी गण एवं अधिवक्ता उपस्थित रहे। वही आगामी 21 जनवरी 2023 दिन शनिवार को लगने वाले विशेष लोक अदालत के बारे में माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र के द्वारा आर्बिट्रेशन के वादों को अधिक संख्या में निस्तारित किए जाने हेतु उपस्थित अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं को निर्देशित किया गया। उपस्थित न्यायिक अधिकारीगण द्वारा लगभग आर्बिट्रेशन के 10 वादों को निस्तारित किये जाने का आश्वासन दिया गया। उक्त जानकारी प्रभारी सचिव (पूर्णकलिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र के द्वारा दिया गया।

दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के आखिरी दिन राज्य टीमे ने भाग लिया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। वरिष्ठ व मान्यता प्राप्त पत्रकार स्वर्गीय अंकित श्रीवास्तव के याद में चेतिया के राधा कृष्ण मंदिर के पास बाबा स्टेडियम में दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के आखरी दिन राज्य स्तरीय टीमें भाग ली। मैच चेतिया के पूर्व प्रधान राकेश गुप्ता और सपा जिलाध्यक्ष लाल जी यादव ने किया जहां उन्होंने स्वर्गीय अंकित श्रीवास्तव के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया। करोना काल में आकस्मिक निधन हो गया था। क्षेत्र के लोगों द्वारा हमेशा उन्हें इसी तरह सम्मान से याद किया जाएगा। उन्हीं के याद में दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका आज समापन है जहां पर राज्य स्तरीय के 8 टीमों ने प्रतिभाग किया है। जहां दूसरे पहला मुकाबला अमरडोभा संतकबीरनगर और गोरखपुर रामपुर के बीच हुआ जिसमें अमरडोभा संतकबीरनगर ने तीन सेट के मैच में दो सेट मैच 21,19 से जीता ।दूसरे मुकाबले में सिद्धार्थनगर और फर्टिलाइजर गोरखपुर के बीच हुआ जिसमें सिद्धार्थनगर नगर की टीम ने फर्टिलाइजर गोरखपुर 21,14 और 21,19 से हराया। वहीं पर तीसरा मैच कैंपियरगंज और बलरामपुर के बीच हुआ जिसमें बलरामपुर ने कैंपियरगंज को 21,14 और 21,13से हराया। चौथा मैच बस्ती और लुंबिनी के बीच हुआ जिसमें लुंबिनी ने बस्ती को 21,19 और 21,16 से हराया। पांचवा मैच बस्ती और अमरडोभा संतकबीरनगर के बीच हुआ जिसमें अमरडोभा संतकबीरनगर ने बस्ती को 21,12, और 21,13 से हराया। छटा मैच सिद्धार्थनगर और कैंपियरगंज के बीच हुआ जिसमें सिद्धार्थनगर ने कैंपियरगंज को 21,15 और 21,17 हराया। सातवां मैच रामपुर गोरखपुर और लुंबिनी के बीच में जिसमें रामपुर गोरखपुर ने लुंबिनी को 21,11, और 21,12 से हराया। समाचार लिखे जाने तक 4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंच चुकी थी सिद्धार्थनगर ,बलरामपुर, रामपुर गोरखपुर, अमरडोभा संतकबीरनगर। इस टूर्नामेंट में शांतेश्वर नाथ त्रिपाठी, नारायण सिंह ,यदुनंदन सिंह ,आशीष मिश्रा, प्रमोद श्रीवास्तव ,आदर्श श्रीवास्तव, गोपाल अग्रहरि ,गोलू सिंह ,जय हिंद चौरसिया, किशन अग्रहरि राजन तिवारी ,नितिन कुमार, सत्येश्वर बाबा उर्फ डब्लू बाबा, जगदीश वर्मा ,सौरभ सिंह, राजा सिंह, कन्हैया वर्मा ,रवि सिंह, ऋषि श्रीवास्तव, सागर, कुलदीप ,प्रदीप वर्मा, रंजय सिंह ,नितिन सिंह, नागेंद्र सिंह ,महेंद्र चौरसिया आदि लोग मौजूद रहे।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:- 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:- 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:- 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:- 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:- 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:- 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:- 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:- 9454400305
थाना मोहाना	मो0:- 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:- 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:- 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:- 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:- 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:- 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:- 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:- 9454404236
थाना इटवा	मो0:- 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:- 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:- 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:- 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:- 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:- 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:- 9454404232
थाना लोटन	मो0:- 9454404237
महिला थाना	मो0:- 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458

संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा

सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459

दैनिक बुद्ध का संदेश

9795951917,9415163471

@budhakasandesh

budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

ब्लॉकवार टीम बना कर स्नातक एमएलसी चुनाव फतह करेगी सपा-राजेंद्र चौधरी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी बस्ती मंडल के सभी जिलों में मजबूत है। इसी के बूते वह गोरखपुर–फैजाबाद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के सपा प्रत्याशी करुणा कांत मौर्या के पक्ष में माहौल बनाने के लिए जीजान लगा देंगी। इसके लिए जिले के सभी ब्लॉक क्षेत्रों में दस सदस्यीय जिम्मेदार पदाधिकारियों कमेटी बना कर स्नातक सीट पर विजय हासिल करेगी। यह बातें सपा के रुधौली विधान सभा क्षेत्र के विधायक एवं एमएलसी चुनाव के जिला प्रभारी राजेंद्र चौधरी ने कहीं। वह सोमवार को पार्टी के जिला कार्यालय पर जिले सभी दिग्गज सपाई पदाधिकारियों एवं पार्टी के विधान सभा क्षेत्रों के प्रभारियों की बैठक को संबोधित करते कहा कि विधान परिषद स्नातक चुनाव हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। समाजवादी पार्टी बहुत ही मजबूती के साथ एमएलसी स्नातक का चुनाव को लड़ रही है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के सभी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि सभी लोग अपने–अपने क्षेत्रों में जाकर स्नातक मतदाताओं से संपर्क कर समाजवादी पार्टी के घोषित प्रत्याशी करुणा कांत मौर्या के पक्ष में प्रत्याशी की पक्ष में माहौल बना कर प्रथम वरीयता का समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी करुणा कांत मौर्या वोट दिलाए। बैठक में सपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष व पूर्व विधायक लालजी यादव, पूर्व विधायक अनिल सिंह व विजय पासवान, राम कुमार चिंकू यादव, अफसर रिजवी, जहीर मलिक, मोनू दूबे, कमरुज्मा खान, बेचई यादव, वीरेंद्र तिवारी, सत्य नारायण यादव, जोखन चौधरी, हरि नारायण यादव, तोता राम वर्मा, जावेद आलम चुन्ने प्रधान, डाक्टर प्रमोद यादव, सुरेश यादव, चंद्रजीत यादव, अब्दुल कलाम सिद्दीकी, सुभांगी भारत, घनश्याम जायसवाल, विजय चौधरी, अमून मेकरानी, विशंभर लाल श्रीवास्तव, सुनील यादव, हारुन व विजय अग्रहरि आदि उपस्थित रहे।

सर्दियों में फिट रहने के लिए करें इन जूस का सेवन, इम्युनिटी को मिलेगा बूस्ट

सर्दियों का मौसम जारी हैं और कडाके की ठण्ड ने उत्तर भारत में कहर बरपा रखा हैं। इस मौसम में सभी को बीमारियों का डर बना रहता हैं जिससे बचने के लिए जरूरी हैं कि अपनी इम्युनिटी को बूस्ट किया जाए। ठंड के इस मौसम में सर्दी, खांसी और फ्लू जैसे संक्रमण बेहद आम हैं। ऐसे में आपकी मदद कर सकते हैं कुछ ऐसे जूस जो आसानी से बन जाते हैं और अपने पोषक तत्वों से इम्युनिटी को मजबूत बनाने का काम करते हैं। सर्दियां हो या गर्मियां जूस हर सीजन में सेहत के लिए फायदेमंद साबित होता है। यहां हम आपको जिन जूस के बारे में बताने जा रहे हैं वो सर्दियों में आपकी अच्छी सेहत का राज बनेंगे। आइये जानते हैं इनके बारे में...

अजमोदा का जूस

अजमोदा और टमाटर का जूस सर्दियों में पिया जा सकता है। यह जूस कई स्वास्थ्य समस्याओं को भी दूर करता है। इस जूस को पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। साथ ही अजमोदा का जूस हृदय, किडनी और लिवर को भी स्वस्थ रखता है। इसके अलावा यह अजमोदा और टमाटर का जूस विटामिन सी का भी अच्छा सोर्स है। इस जूस को पीने से वेट लॉस में मदद मिलती है। इसमें विटामिन ए भी होता है, जो आंखों के लिए फायदेमंद होता है।

चुकंदर और गाजर का जूस

ठंड के मौसम में चुकंदर, गाजर और अदरक का जूस पीना काफी अच्छा माना जाता है। चूंकि अदरक की तासीर गर्म होती है इसलिए इस जूस का सेवन करने से आपके शरीर को गर्मी मिलती है। वहीं, गाजर और चुकंदर में कई तरह के

विटामिन और खनिज मौजूद होते हैं। जब आप इस जूस का सेवन करते हैं तो आपको आयरन, विटामिन ए और विटामिन सी काफी अच्छी मात्रा में मिलता है। साथ ही, इसके सेवन से आपका इम्युन सिस्टम भी मजबूत होता है।

टमाटर का जूसः कई लोग सर्दियों में टमाटर का जूस भी पीते हैं। टमाटर आपकी सेहत के लिए काफी अच्छा होता है। टमाटर में भरपूर मात्रा में फाइबर और विटामिन बी9 होता है। साथ ही यह विटामिन सी का भी अच्छा सोर्स होता है। टमाटर का सेवन करने से आप संक्रमण से बच सकते हैं। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और कब्ज की समस्या को दूर करता है। वजन घटाने के लिए भी टमाटर का जूस अच्छा माना जाता है।

ग्रीन एप्पल, गाजर, और ऑरेंज का जूस

विंटर में इस जूस का सेवन करना भी काफी अच्छा माना जाता है। गाजर, सेब और संतरा आपके शरीर को संक्रमण से लडने में मदद करने के लिए एक बेहद ही अच्छा कॉम्बिनेशन माना जाता है। जहां सेब और संतरे आपको विटामिन सी देते हैं। वहीं, गाजर में एंटीऑक्सीडेंट बीटा कैरोटीन और विटामिन बी 6 होते हैं। यह आपके इम्युन सिस्टम को काफी मजबूत बनाता है।

संतरा और गाजर का जूस

इस सर्दी में अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए इस जूस को आजमाएं। इस जूस को बनाने के लिए सबसे पहले एक जूसर में संतरे और गाजर का अलग–अलग जूस निकाल लें। इन्हें गिलास में डालें। अब इन्हें एक साथ ब्लेंडर में डालें। अदरक और हल्दी पाउडर डालें। मिश्रण को अच्छी तरह से ब्लेंड करें और एक गिलास में डालें। इसे नींबू के टुकड़े से गार्निश करें और सर्व करें। आप इसमें नींबू के रस की कुछ बूंदे भी मिला सकते हैं।

स्ट्रॉबेरी और कीवी का जूस

यह एक ऐसा जूस है, जो विटामिन सी रिच होता है और इसलिए इसे इम्युन सिस्टम के लिए काफी अच्छा माना जाता है। आप चाहें तो इसे एक स्मूदी के रूप में भी बनाकर पी सकते हैं। आप इसे तैयार करने के लिए इसमें दूध को भी शामिल कर सकती हैं। दूध प्रोटीन और विटामिन डी का एक अच्छा स्रोत है, जो केवल फलों या सब्जियों का उपयोग करने वाले जूस में मिलना मुश्किल है।

पालक का जूस

सर्दियों के मौसम में बीमारियों से बचाने में पालक का जूस भी बहुत कारगर माना जाता है। सर्दियों में पालक इम्यूनिटी के लिए अच्छा है। इसमें केरोटीन, अमीनो एसिड, आयरन, आयोडीन, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। साथ ही विटामिन ए, सी, के, ई और बी कॉम्पलेक्स भी प्रचुर मात्रा में होता है। पालक का नियमित सेवन करने से हमारे शरीर का पीएच लेवल बैलेंस रहता है। पालक में प्रोटीन और फाइबर भी पर्याप्त मात्रा में होता है।

थाई हाई स्लिट ड्रेस में श्वेता तिवारी ने बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपना ग्लैमरस लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस लुक में एक्ट्रेस गजब की बला लग रही हैं। उनकी तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की उम्र 40 होने के बावजूद वो अपनी हॉटनेस से कहर

बरपाए रहती हैं। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से सोशल मीडिया पर कहर बरपा रही हैं। गोल्डन कलर के थाई हाई स्लिट गाउन में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी गजब की बला लग रही हैं। एक्ट्रेस ने सायनी मेकअप के साथ कर्ली हेयर स्टाइल कैरी कर रखा हैं। श्वेता तिवारी ने अपने इस आउटफिट के साथ रेड कलर के इयरिंग्स और ब्रेसलेट पहन रखे हैं। फैशन क्वीन श्वेता तिवारी के फैशन सेंस को कई फॉलोवर्स फॉलो करते हैं। साथ ही उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। कसौटी जिंदगी की फेम एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने छोटे पर्दे के कई सीरियल्स और टीवी शोज में काम किया है। श्वेता तिवारी अपनी फिटनेस का खासा ध्यान रखती हैं। यही कारण है कि वो अपनी बेटी पलक से भी ज्यादा ग्लैमरस नजर आती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके फैन फॉलोइंग की बात करें तो एक्ट्रेस के 4.1 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

दुबई में छाया पठान का ट्रेलर, बुर्ज खलीफा पर वीडियो देख झूम उठे शाहरुख खान

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की दीवानगी भारत ही नहीं दुनियाभर में है। खासकर जैसे–जैसे उनकी फिल्म पठान की रिलीज पास आ रही है, प्रशंसकों का उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। दुनियाभर के प्रशंसक शाहरुख की इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। शनिवार शाम पठान का ट्रेलर दुबई स्थित दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा पर प्रदर्शित किया गया। इस मौके

पर प्रशंसकों के अलावा खुद शाहरुख भी वहां मौजूद रहे। बुर्ज खलीफा पर शनिवार को पठान का ट्रेलर दिखाया गया। इस दौरान खुद किंग खान वहां मौजूद थे। अब सोशल मीडिया पर इवेंट के कई वीडियो शेयर हो रहे हैं। शाहरुख फिल्म के गाने झूमे जो पठान पर थिरकते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने फिल्म के डायलॉग भी अपने प्रशंसकों के लिए बोले। वहां मौजूद लोग तब बेहद खुश हो गए जब शाहरुख ने बुर्ज खलीफा के सामने अपना आइकॉनिक पोज किया। पठान इस साल की बहुप्रतिक्षित फिल्म है इसलिए निर्माता इसका प्रमोशन भव्य तरीके से करना चाहते थे। यशराज फिल्म्स के इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन के वाइस प्रेसिडेंट नेलसन डीसूजा ने कहा था, पठान आने वालीं बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक है। ऐसे में जरूरी है कि इसकी झलक दर्शकों के सामने भव्य तरीके से पेश की जाए। हम बेहद उत्साह के साथ यह घोषणा कर रहे हैं कि शाहरुख खान की पठान का ट्रेलर आइकॉनिक बुर्ज खलीफा पर दिखाया जाएगा। करीब चार साल बाद पठान के साथ शाहरुख वापसी कर रहे हैं। फिल्म में वह एक देशभक्त जासूस की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं जॉन अब्राहम फिल्म में विलेन बने हैं। पर्दे पर उनका और शाहरुख का तगड़ा एक्शन देखने को मिलेगा। दीपिका पादुकोण भी फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं। पठान, टाइगर और वॉर के क्रॉसओवर की चर्चा काफी समय से हो रही है। फिल्म में सलमान खान और ऋतिक रोशन भी दर्शकों को सरप्राइज दे सकते हैं। बुर्ज खलीफा पर इससे पहले भी शाहरुख कई बार नजर आ चुके हैं। पिछले साल जन्मदिन पर बुर्ज खलीफा से उनको बधाई दी गई थी। इसके पहले 2019 में भी शाहरुख के जन्मदिन के मौके पर बुर्ज खलीफा पर उनका नाम रोशन हुआ था। पिछले साल सितंबर में दुबई की एक चिकित्सा कंपनी के विज्ञापन में वह नजर आए थे। इस विज्ञापन को भी बुर्ज खलीफा पर दिखाया गया था। बुर्ज खलीफा दुबई में स्थित दुनिया की सबसे ऊंची इमारत है। इसकी ऊंचाई करीब 829 मीटर है। इसका निर्माण 2004 में शुरू किया गया था और 2009 में यह इमारत बनकर तैयार हो गई थी। 2010 में इसका उद्घाटन किया गया था।

दृश्यम 2 के बाद रेड 2 बनाएंगे अजय देवगन, जल्द शुरू होगी शूटिंग

बॉलीवुड में कुछ समय से सीच्ल फिल्मों का दौर चल रहा है। अब इस लिस्ट में अजय देवगन की साल 2018 में आई रेड का नाम जुड़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दृश्यम 2 की सफलता के

बाद अब अजय रेड 2 की शूटिंग करने जा रहे है। दृश्यम 2 के निर्माता कुमार मंगत इस फिल्म में पैसा लगाएंगे। 40 करोड़ रुपये के बजट में बनी रेड ने दुनियाभर में 150 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी। राजकुमार गुप्ता के निर्देशन में बनी रेड में अजय को एक ईमानदार इनकम टैक्स ऑफिसर का किरदार निभाते देखा गया था, जो 49 ट्रांसफर के बाद लखनऊ पहुंचते हैं। रेड 2 का निर्देशन भी राजकुमार ही करेंगे। रेड में अजय के साथ इलियाना डिक्रूज को भी उनकी पत्नी के अहम रोल में देखा गया था। उनके अलावा फिल्म में सौरभ शुक्ला भी अहम भूमिका में नजर आए थे। इस फिल्म को आप डिज्नी हॉटस्टार पर देख सकते हैं।

पैरों को मुलायम और खूबसूरत बनाने के लिए अपनाएं ये 5 टिप्स

कुछ लोग स्किन केयर रूटीन के नाम पर सिर्फ खुद के चेहरे पर ध्यान देते हैं, लेकिन चेहरे के अलावा पैरों की देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पैर शरीर के सबसे जरूरी अंगों में से एक हैं। रोजाना स्क्रब और मॉइस्चराइजेशन जैसे कई तरीकों से पैरों को असमान रंगत और झाइयों से सुरक्षित रखा जा सकता है। आइए आज जानते हैं कि पैरों की देखभाल करने के लिए आप कौन–कौन सी टिप्स अपना सकते हैं।

शेविंग के लिए जेल या क्रीम का करें इस्तेमालः पैरों को शेव करते समय साबुन का इस्तेमाल आपकी त्वचा को रूखा और बेजान बना सकता है, इसलिए शेविंग करने के लिए साबुन का इस्तेमाल बिल्कुल भी न करें। इसके लिए शेविंग जेल या क्रीम का चयन करें। यह बालों को नरम करते हैं और उन्हें त्वचा की सतह के करीब से निकालने में आसानी से मदद करते हैं। ऐसे शेविंग जेल चुनें, जिनमें जैतून का तेल, कोलाइडल ओटमील, लैनोलिन या विटामिन ई जैसे हाइड्रेटिंग तत्व हों।

अच्छे रेजर का चयन करना है जरूरी

शेविंग के बाद अपने पैरों को पोषित और हाइड्रेटेड रखने के लिए त्वचा के अनुकूल रेजर का चयन करें। इसके अलावा महीनों तक एक ही रेजर का उपयोग न करें क्योंकि ज्यादा दिनों तक इस्तेमाल करने से रेजर अपने मॉइस्चराइजिंग लाभों को खो देता है। इसकी वजह से त्वचा पर खरोंच और कट भी लग सकता है। इसके साथ ही इसके इस्तेमाल से स्ट्रॉबेरी स्किन भी हो सकती है।

ब्लड सर्कुलेशन में सुधार के लिए हर हफ्ते पैरों पर करें स्क्रब

खुरदरी और ड्राई त्वचा को चिकना और नमी बनाने के लिए हर हफ्ते पैरों पर स्क्रब करना जरूरी है। इसके लिए नारियल तेल , ब्राउन शुगर और शहद को एक साथ मिलाएं और इस मिश्रण से पैरों पर गोलाकार गति में मालिश करें। फिर कुछ मिनट के बाद पैरों को पानी से धो लें। ब्लड सर्कुलेशन में सुधार के लिए पैरों पर स्क्रब करने के लिए आप एक फर्म ब्रिसल वाले ब्रश का भी उपयोग कर सकते हैं।

हाइड्रेटिंग बॉडी वॉश का करें इस्तेमाल

सामान्य साबुन और क्लींजर त्वचा में फंसी गंदगी और पसीने को प्रभावी ढंग से हटा सकते हैं, लेकिन ये त्वचा के प्राकृतिक तेलों को भी खत्म कर सकते हैं। इस वजह से पैरों की सफाई के लिए एक अल्ट्रा–क्रीमी और पौष्टिक बॉडी वॉश या ग्लिसरीन–आधारित साबुन का उपयोग करें। आप आर्गन या नारियल के तेल से भरपूर साबुन का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। ये त्वचा के प्राकृतिक तेलों को कम किए बिना गंदगी को खत्म कर देगा।

पैरों को मॉइस्चराइज करके एसपीएफ क्रीम लगाएं

पैरों को मुलायम और स्वस्थ बनाने और रूखेपन, खुरदरेपन और पपड़ीदार त्वचा से छुटकारा पाने के लिए रोजाना पैरों को मॉइस्चराइज करना जरूरी है। इसके लिए नहाने या फिर पैरों के बालों को हटाने के बाद बॉडी क्रीम या लोशन का अच्छी मात्रा में उपयोग करें। त्वचा के अतिरिक्त हाइड्रेशन के लिए सेरामाइड्स, लैनोलिन या शिया बटर युक्त बॉडी क्रीम का चयन करें। इसके साथ ही सनस्क्रीन लगाना बिल्कुल भी न भूलें।